

न्यूज़ इन शॉर्ट

पूर्व केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू को लुधियाना पुलिस ने हिरासत में लिया



नई दिल्ली। पंजाब में विधानसभा चुनाव होने हैं, जिसको लेकर सबे की सियासत गरमा गई है। इस बीच बीजेपी नेता पूर्व केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि बिट्टू ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के काफिले पर शराब फेंकने की कोशिश की है, जिसके बाद उन्हें पहचिायतन मौके पर मौजूद लुधियाना पुलिस के द्वारा हिरासत में लिया गया है। जानकारी के मुताबिक सीएम भगवंत मान शनिवार (19 सितंबर) को आम आदमी पार्टी के चुनावी अभियान के पैम्फलेटलॉन्च करने के लिए लुधियाना एक कार्यक्रम में पहुंचे थे।

इंदौर छात्रों की गूंज के जवाब में झूठ की गूंज, राहुल के दावों की लाइव ट्रैकिंग



एक सत बुलेटिन > नई दिल्ली

मध्यप्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर पहुंचे नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी छात्रों की गूंज कार्यक्रम को संबोधित कर रहे हैं, उसी बीच अब उनकी इस मुहीम पर नजर रखने को बनी टैकर वेबसाइट झूठ की गूंज ने एक लंबा चौड़ा पोस्ट शेयर करते हुए कहा है कि झूठ की लाइव फैंक्ट चेकिंग, सिर्फ झूठ की गूंज पर एक्लिस पर जारी पोस्ट के मुताबिक, झूठ नंबर-11 पिछले आठ सालों में एमपी में पब्लिक सर्विस कमीशन की सभी भर्तीय प्रक्रियाओं में 13 प्रतिशत पद होल्ड पर रखे गए हैं। इस वजह से 4187 लाख पद पेंडिंग हैं। नतीजा- गलत। जबकि असत्यत है कि 87113 का फॉर्मूला आठ सालों से लागू नहीं है। एमपी सामान्य प्रशासन विभाग का सर्वेल्नर 29 सितंबर 2022 को जारी किया गया थाइसके अलावा कहा गया, यह विवाद तब शुरू हुआ जब कमलनाथ के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने 2019 में हड़्द आरक्षण को 14व से बढ़ाकर 27व कर दिया। इससे कोटे की संवैधानिक वैधता को लेकर कानूनी विवाद खड़ा हो गया। कांग्रेस सरकार ने इससे जुड़ी कानूनी पेचीदगियों पर पूरी तरह विचार किए बिना ही नोटिफिकेशन जारी कर दिया था।

पोस्ट में आगे राहुल गांधी के दावों को झूठ साबित करते हुए बताया गया कि इस फॉर्मूले ने भर्ती को पूरी तरह नहीं रोका है। प्रेस रिलीज में से 87 प्रतिशत पदों पर नियुक्तियां जारी रही हैं। साथ ही बाकी 13 प्रतिशत पदों को बस रद्द नहीं किया गया। ओबीसी और अनरिजर्वड कैडिडेट्स की अलग-अलग प्रोविजनल लिस्ट तैयार की गई हैं। इसमें कोर्ट के अंतिम फैसले के मुताबिक, नियुक्तियां की जा सके। पोस्ट में कहा गया, जनवरी 2025 में एमपी हाईकोर्ट ने 87113 की व्यवस्था को एक अंतरिम उपाय के तौर पर सही ठहराया था। इसमें दोनों तरह के कैडिडेट्स के दावों को सुरक्षा करते हुए भर्ती प्रक्रिया जारी रखने की अनुमति मिली थी। इसके अलावा राहुल गांधी की भाषण का दूसरा झूठ भी पकड़ने का दावा इस वेबसाइट ने किया। इसमें लिखा, राहुल ने कहा- मार्च 2019 में कांग्रेस सरकार ने ओबीसी आरक्षण 14 से बढ़ाकर 27 प्रतिशत कर दिया था, लेकिन बीजेपी ने कोर्ट का हवाला देते हुए इसे रोक दिया।

जनरल धीरज सेठ का रूस दौरा खत्म, क्या-क्या किया



नई दिल्ली। भारतीय सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ का रूस का तीन दिवसीय आधिकारिक दौरा 18 सितंबर को पूरा हो गया। इस दौरे के दौरान भारत और रूस के बीच सैन्य सहयोग को मजबूत करने, आधुनिक सैन्य क्षमताओं के विकास और प्रशिक्षण के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। दौरे के दौरान सेना प्रमुख ने रूस के वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों से मुलाकात की और वहां के प्रमुख सैन्य संस्थानों का दौरा किया। मोस्को में जनरल धीरज सेठ ने रूस के उप रक्षा मंत्री जनरल युनुस-बेक येवकुरोव से मुलाकात की। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच संयुक्त सैन्य क्षमता विकसित करने, सैन्य अधिकारियों के आदान-प्रदान और दोनों सेनाओं के बीच सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा हुई।

कैंसर की रोकथाम, समय पर पहचान और सुलभ उपचार के लिए सरकार, चिकित्सा जगत और समाज को मिलकर करने होंगे प्रयास : मुख्यमंत्री

कैंसर की रोकथाम, समय पर पहचान और सुलभ उपचार के लिए सरकार, चिकित्सा जगत और समाज को मिलकर करने होंगे प्रयास: मुख्यमंत्री श्री साय

कैंसर के खिलाफ लड़ाई में मरीज को यह भरोसा दिलाना जरूरी कि वह अकेला नहीं = मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय

नवा रायपुर में 100 एकड़ में विकसित हो रही 5 हजार बिस्तरों की मेडिसिटी, आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं का बनेगी प्रमुख केंद्र = मुख्यमंत्री श्री साय



मुख्यमंत्री ने चौथे बीएमसी छत्तीसगढ़ कैंसर कॉन्क्लेव-2026 का किया शुभारंभ

आयुष्मान भारत से 5 लाख और मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना से 25 लाख रुपए तक मिल रही उपचार सहायता

मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान में लगभग 34 लाख लोगों की स्क्रीनिंग, करीब 40 हजार लोगों को बीमारी की पहचान के बाद उपचार से जोड़ा गया

संवाददाता > रायपुर

कैंसर के विरुद्ध लड़ाई केवल बीमारी के उपचार तक सीमित नहीं है। मरीज को आधुनिक और प्रभावी उपचार उपलब्ध कराने के साथ उसका मनोबल बनाए रखना तथा उसे यह विश्वास दिलाना भी उतना ही आवश्यक है कि इस कठिन लड़ाई में वह अकेला नहीं है। चिकित्सकों का संवेदनशील व्यवहार और परिवार एवं समाज का भावनात्मक सहयोग मरीज के भीतर बीमारी से लड़ने का हौसला बढ़ाता है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज नवा रायपुर स्थित मेफेयर में बालको मेडिकल सेंटर द्वारा आयोजित चौथे बीएमसी छत्तीसगढ़ कैंसर कॉन्क्लेव-2026 के शुभारंभ अवसर पर संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि कैंसर आज पूरी दुनिया के सामने गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक है। कैंसर का नाम सुनते ही मरीज के साथ पूरा परिवार चिंता और अनिश्चितता से घिर जाता है। बीमारी का प्रभाव

केवल मरीज के शरीर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसकी मानसिक, पारिवारिक और आर्थिक परिस्थितियों पर भी पड़ता है। इसलिए कैंसर के उपचार में समग्र दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि चिकित्सक जब आत्मीयता और संवेदनशीलता के साथ मरीज से जुड़ते हैं तो वे केवल बीमारी का उपचार नहीं करते, बल्कि मरीज और उसके परिवार के लिए विश्वास और हौसले का आधार भी बनते हैं। चिकित्सा विज्ञान में हो रही प्रगति के साथ मानवीय संवेदना का यह पक्ष कैंसर के विरुद्ध लड़ाई को और मजबूत बनाता है।

समय पर पहचान से बढ़ती हैं प्रभावी उपचार की संभावनाएं

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कैंसर से लड़ाई में सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक बीमारी की समय पर पहचान है। शुरुआती अवस्था में कैंसर की पहचान होने पर प्रभावी उपचार की संभावनाएं काफी बढ़ जाती हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भी कैंसर सहित गंभीर बीमारियों की समय पर स्क्रीनिंग और रोकथाम को प्राथमिकता दी है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कॉन्क्लेव में उपस्थित विशेषज्ञों से आग्रह किया कि वे ऐसी आधुनिक तकनीकों, अनुसंधानों और प्रभावी उपायों पर विचार करें, जिनसे कैंसर को जल्द पहचान हो सके और उपचार को अधिक सस्ता, सुलभ तथा आम लोगों की पहुंच में लाया जा सके। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कॉन्क्लेव चिकित्सा जगत के अनुभव, शोध और नवाचार को साझा करने का महत्वपूर्ण मंच हैं। यहां होने वाला विचार-विमर्श भविष्य की स्वास्थ्य नीतियों और उपचार



पद्धतियों को नई दिशा देने में सहायक होगा। प्रदेश में लगातार मजबूत हो रही स्वास्थ्य अधोसंरचना

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के समय प्रदेश में केवल एक मेडिकल कॉलेज था। आज शासकीय और निजी मेडिकल कॉलेजों को मिलाकर इनकी संख्या 15 हो गई है। इसके साथ ही पांच नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इन चिकित्सा संस्थानों में कैंसर सहित अन्य गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आवश्यक विशेषज्ञता, आधुनिक उपकरण और अधोसंरचना विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के लोगों को गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए दूर न जाना पड़े और उन्हें अपने राज्य में ही गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो।

आर्थिक कठिनाई उपचार में न बने बाधा

मुख्यमंत्री ने कहा कि गंभीर बीमारी के समय उपचार के खर्च की चिंता परिवार की परेशानी को और बढ़ा देती है। सरकार का प्रयास है कि आर्थिक कठिनाई किसी जरूरतमंद व्यक्ति के उपचार में बाधा न बने। आयुष्मान भारत योजना ने गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच आसान की है। पात्र परिवारों को योजना के अंतर्गत 5 लाख रुपए तक उपचार की सुविधा मिल रही है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार की मुख्यमंत्री विशेष

स्वास्थ्य सहायता योजना के माध्यम से जरूरतमंद मरीजों को 25 लाख रुपए तक की उपचार सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इन योजनाओं का उद्देश्य यही है कि बीमारी के कठिन समय में परिवार को आर्थिक चिंता के बजाय मरीज के स्वास्थ्य और उपचार पर ध्यान देने का संबल मिले।

बस्तर जैसे दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंच रही बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार बस्तर जैसे भौगोलिक रूप से चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए विशेष प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के अंतर्गत लगभग 34 लाख लोगों की स्वास्थ्य स्क्रीनिंग की गई है। इनमें करीब 40 हजार लोगों में विभिन्न बीमारियों की पहचान कर उन्हें उपचार से जोड़ा गया है।

उन्होंने कहा कि व्यापक स्क्रीनिंग का उद्देश्य बीमारी की शुरुआती अवस्था में ही पहचान करना और मरीज को समय पर उपचार उपलब्ध कराना है। सरगुजा सहित प्रदेश के अन्य क्षेत्रों में भी कैंसर सहित गंभीर बीमारियों की पहचान और उपचार के लिए स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है।

नवा रायपुर में आकार ले रही 5 हजार बिस्तरों की मेडिसिटी

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ को आधुनिक चिकित्सा सेवाओं के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में नवा रायपुर में लगभग 100 एकड़ क्षेत्र में 5 हजार बिस्तरों की क्षमता वाली मेडिसिटी विकसित की जा रही है।

होर्मुज में संकट, तेल की सप्लाई के लिए नया रास्ता

पश्चिम एशिया में अरबों डॉलर के प्रोजेक्ट्स पर EIL की नजर

एजेंसी > नई दिल्ली

सरकारी कंपनी इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड अगले 2-3 सालों में पश्चिम एशिया में अरबों डॉलर के इंजीनियरिंग और कंस्ट्रक्शंस प्रोजेक्ट्स पर नजर रखे हुए है, क्योंकि, ध और सऊदी अरब जैसे देश होर्मुज स्ट्रेट की जगह वैकल्पिक इंफ्रास्ट्रक्चर की योजना बना रहे हैं। होर्मुज स्ट्रेट अमेरिका-ईरान संघर्ष की वजह से सुखियों में है और परिवहन यातायात काफी बाधित हुआ है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के अनुसार EIL के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर अतुल गुप्ता ने कहा कि कंपनी पहले से ही दोनों देशों के साथ बातचीत कर रही है, जो होर्मुज स्ट्रेट को बाइपास करने के लिए पाइपलाइन, टर्मिनल और स्टोरेज सुविधाओं सहित तेल इंफ्रास्ट्रक्चर की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि श्वदूरने इस साल की शुरुआत में पश्चिम एशिया में अपना बिजनेस बढ़ाने के लिए सऊदी अरब में एक नया ऑफिस खोला है। श्वदूर के चेयरमैन ने कहा कि, ध ने मई में एक कॉन्फेंस में बताया था कि वह इस इलाके में आर्थिक गतिविधि को तेज करने के लिए अगले कुछ सालों में ओवरऑल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट में लगभग 55 बिलियन के निवेश की प्लानिंग कर रहा है। अपने पोर्टफोलियो को बढ़ाते हुए, गुप्ता ने कहा कि EIL दूसरे सेक्टर में भी डायवर्सिफाई कर रहा है और न्यूक्लियर पावर प्लांट की इंजीनियरिंग और डिजाइन से जुड़े 11 प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहा है। इंजीनियरिंग और कंस्ट्रक्शंस कंपनी, जो पेट्रोलेियम मिनिस्ट्री के एडमिनिस्ट्रेटिव कंट्रोल में है, ने भारत स्मॉल मॉड्यूलर रिप्लेक्स के लिए स्ट्रक्चर, सिस्टम और कंपोनेंट्स के कॉन्सेप्चुअल डिजाइन और इंजीनियरिंग को डेवलप करने के लिए साथ एक मेमोरैंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग साइन किया है।

गुप्ता ने कहा, हमने न्यूक्लियर एनर्जी सेगमेंट को पूरा करने के लिए अपनी काबिलियत डेवलप की है। सरकार ने 2047 तक 100 बल्व न्यूक्लियर एनर्जी कैपेसिटी डेवलप करने का प्लान बनाया है। हमारे लिए बहुत पोटेन्शियल है। उन्होंने कहा कि श्वदूरने भुवनेश्वर में भारतीय रिजर्व बैंक के लिए एक डेटा सेंटर बनाया है और अब चेन्नई में पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन के टेलीकॉम बिजनेस, पावरटेल के लिए एक और डेटा सेंटर पर काम शुरू कर दिया है।

औद्योगिक नीति 2024-30 से प्रदेश में निवेश और रोजगार को नई गति, अब तक 8.23 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त

औद्योगिक नीति 2024-30 से प्रदेश में निवेश और रोजगार को नई गति, अब तक 8.23 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त

मुख्यमंत्री स्टार्टअप एवं निपुण मिशन के लिए पांच वर्षों में 500 करोड़ रुपए का प्रावधान, सभी 33 जिलों में स्थापित होंगे उद्यमिता विकास केंद्र

मुख्यमंत्री ने ट्रेड फेयर का किया शुभारंभ, 'अग्रकुल दर्शन' पत्रिका का किया विमोचन

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अबिकापुर में दो दिवसीय 'अग्र महाकुंभ-2026' का किया शुभारंभ

रायपुर 19 सितम्बर 2026

मुख्यमंत्री स्टार्टअप एवं निपुण मिशन के लिए पांच वर्षों में 500 करोड़ रुपए का प्रावधान, सभी 33 जिलों में स्थापित होंगे उद्यमिता विकास केंद्र

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज अबिकापुर में आयोजित दो दिवसीय 'अग्र महाकुंभ-2026' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने अग्रवाल समाज की उद्यमिता, दानशीलता, परपकार और समाजसेवा की समृद्ध परंपरा की सराहना करते हुए



कहा कि छत्तीसगढ़ की आर्थिक और सामाजिक प्रगति में अग्रवाल समाज की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। व्यापार और व्यवसाय से आगे बढ़कर समाज के उद्यमियों ने उद्योगों की स्थापना, रोजगार सृजन और जनसेवा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय योगदान दिया है।

मुख्यमंत्री ने महाराजा अग्रसेन जी के आदर्शों का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने सामाजिक समानता, करुणा, सहयोग और सहभागिता पर आधारित समाज की कल्पना की थी। उनका संदेश था कि समाज की वास्तविक उन्नति तभी संभव है, जब प्रत्येक व्यक्ति को आगे बढ़ने का अवसर मिले और जो सक्षम हैं, वे जरूरतमंद लोगों का हाथ थामकर

उन्हें भी प्रगति की राह पर आगे बढ़ाएं। अग्रवाल समाज ने महाराजा अग्रसेन जी के इन आदर्शों को पीढ़ी-दर-पीढ़ी अपने आचरण में उतारा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अग्रवाल समाज की पहचान केवल सफल व्यापार और उद्यमिता तक सीमित नहीं है। अर्थोपार्जन के साथ परमार्थ की भावना इस समाज की विशिष्टता रही है। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविरों, धर्मशालाओं, शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ी संस्थाओं तथा अनेक जनसेवा गतिविधियों के माध्यम से समाज निरंतर अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाता आया है।

न्यूज़ इन शॉर्ट

बदमाश धर्मजीत उर्फ मुसाउ के विरुद्ध 06 माह का जिलाबदर आदेश मनेंद्रगढ़-चिरमिरी। भरतपुर, 18 सितंबर 2026। जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर पुलिस द्वारा असामाजिक एवं आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के विरुद्ध लगातार प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में बदमाश धर्मजीत उर्फ मुसाउ पिता स्व. ईश्वर देव सिंह, निवासी पंखा दफाई, हल्दीबाड़ी चिरमिरी, थाना चिरमिरी, जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छ.ग.) के विरुद्ध जिलाबदर का आदेश के अनुसार न्यायालय जिला दण्डाधिकारी, जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर द्वारा दण्डिक प्रकरण क्रमांक 2025 10330 100024 में छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम, 1990 की धारा 5(क)(ख) के अंतर्गत आदेश पारित किया गया है। आदेश के तहत धर्मजीत उर्फ मुसाउ को दिनांक 20.09.2026 को प्रातः 10:00 बजे से दिनांक 20.03.2027 तक कुल 06 माह की अवधि के लिए जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर तथा सीमावर्ती जिलों की सीमा से बाहर चले जाने का आदेश दिया गया है। जिलाबदर अवधि के दौरान संबंधित व्यक्ति को निम्न जिलों की सीमा में प्रवेश नहीं करना होगा। पुलिस द्वारा संबंधित थाना/चौकी प्रभारियों को जिलाबदर आदेश की तामिली सुनिश्चित करने तथा आदेश के पालन की निगरानी एवं आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस का संदेश- जिले में कानून-व्यवस्था एवं आमजन की सुरक्षा बनाए रखने के लिए आपराधिक एवं असामाजिक गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार प्रतिबंधात्मक कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

गीदम में हुआ वैचारिक प्रबोधन सत्र, समसामयिक विषयों पर हुआ विचार-मंथन



पवन साय और संघ प्रचारक सतीश गोकुल पंडा ने रखा अपना दृष्टिकोण, जनप्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में लोग हुए शामिल

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

समाज के वर्तमान परिदृश्य और समसामयिक विषयों पर सार्थक दृष्टिकोण विकसित करने के उद्देश्य से 19 सितंबर 2026 को एजुकेशन सिटी गीदम स्थित ऑडिटोरियम में वैचारिक प्रबोधन सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन श्री माधव सेवा समिति, गीदम, जिला दंतवाड़ा द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय उपस्थित रहे। वहीं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक एवं मुख्य वक्ता श्री सतीश गोकुल पंडा जी ने उपस्थितजनों को संबोधित किया। सत्र में समाज के वर्तमान परिदृश्य और विभिन्न समसामयिक विषयों पर विचार रखते हुए सकारात्मक एवं सार्थक दृष्टिकोण विकसित करने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में दंतवाड़ा विधायक श्री चैतराम अटायी, भाजपा जिला अध्यक्ष संतोष गुप्ता, जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुंडामी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अरविंद कुजाम सहित अन्य जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान नागरिक सुविधा का मॉडल बना रायगढ़ का पंजीयन कार्यालय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व और वित्त मंत्री ओपी चौधरी की पहल से रायगढ़ के पंजीयन कार्यालय को आधुनिक सुविधाओं से युक्त मॉडल पंजीयन कार्यालय के रूप में विकसित किया गया है। सेवा संकल्प अभियान के तहत विकसित इस कार्यालय में पंजीयन प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित बनाया गया है। अब व्यवस्था का केंद्र कार्यालय की प्रक्रिया नहीं, बल्कि नागरिक की सुविधा और आवश्यकता को बनाया गया है। संपत्ति की रजिस्ट्री किसी भी व्यक्ति और परिवार के लिए महत्वपूर्ण प्रक्रिया होती है। इसे ध्यान में रखते हुए पंजीयन कार्यालय में नागरिकों को अनावश्यक परेशानी और बार-बार कार्यालय आने की स्थिति से बचाने के लिए प्रक्रिया के विभिन्न चरणों को व्यवस्थित किया गया है। छाह्य ऋतु - कैसर के खिलाफ लड़ाई में मरीज को यह भरोसा दिलाना जरूरी कि वह अकेला नहीं छूटसकता, ज्ञात जाते दैनिक समाचार-पत्र पढ़ें इतिहास किताबें खोलें नए स्थान तलाशें प्रवेश से पंजीयन तक हर चरण में सुविधा कार्यालय में प्रवेश करते ही नागरिकों को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने के लिए हेल्प डेस्क एवं रिसेशन की व्यवस्था की गई है। दस्तावेजों की प्रारंभिक जांच की सुविधा होने से कमियों की जानकारी प्रक्रिया के शुरुआती चरण में ही मिल जाती है।

सिद्धि तप करने वालों का भी किया सम्मान,

रायपुर में 111 तपस्वियों का सामूहिक पारणा संपन्न, आयोजन समिति ने सभी तपस्वियों के पैर धोए

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

आत्म उत्क्रांति आध्यात्मिक चातुर्मास-2026 के तहत 18 सितंबर को श्री जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी में सम्मेलन शिखर तप करने वाले 111 तपस्वियों का सामूहिक पारणा हुआ। लंबे समय से तप कर रहे सभी तपस्वी इस मौके पर एक साथ आए। देववन्दन, चैत्यवन्दन और पूजा के बाद मांगलिक के साथ पारणा शुरू हुआ।

निपुणाश्रीजी म.सा. की शिष्या प्रवचन प्रभाविका मंजुलाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा की मौजूदगी में कार्यक्रम हुआ। आयोजन समिति ने सभी 111 तपस्वियों के पैर धोए। इसके बाद तांबे की थाली और कटोरी से पारणा कराया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।



इस कार्यक्रम में सिद्धि तप करने वाले उपहार चोपड़ा और उषा बेन मेहता का आयोजन समिति ने सम्मान किया। श्रद्धालुओं ने उनके तप और साधना की सराहना की। सामूहिक पारणा की व्यवस्था उपहारजी-पूजाजी, सानवी एवं मौलिक चोपड़ा परिवार और श्री उपहार काइर्स, एमजी रोड रायपुर की ओर से की गई।

तप करने वाले लोगों की सराहना

श्री ऋषभदेव मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष विजय कांकरिया ने पत्नी सीमा कांकरिया के साथ सम्मेलन शिखर तप किया। तप पूरा करने के बाद दोनों ने 18 सितंबर को हुए सामूहिक पारणा में हिस्सा लिया। इस दौरान श्रीसंघ के सदस्यों ने तप करने वाले सभी लोगों की सराहना की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। तपस्वियों का सम्मान किया गया और उनकी तपस्या की सराहना की गई।



सेवा ही संकल्प अभियान 2026 के तहत भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता संपन्न

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला पेंड़ा मरवाही

सेवा ही संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत संकुल केंद्र मिश्री देवी शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गौरेला में स्कूल स्तरीय भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री प्रकाश नामदेव, अध्यक्षता प्राचार्या श्रीमती उषा शर्मा तथा विशिष्ट अतिथि श्री त्यागी जी एवं शैक्षिक समन्वयक श्री सुनील दत्त राय रहे। विभिन्न विद्यालयों के प्रतिभागी एवं मंच पर शिक्षक उपस्थित रहे। श्री विवेक तिवारी एवं श्री अरविंद पांडे के मार्गदर्शन में आयोजित प्रतियोगिता में भाषण के निर्णायक मंडल में श्री एस.एल. साइटोडे, श्री उत्तरा दिवाकर, श्री मेवा सिंह राठौर, सुश्री अर्चना द्विवेदी, श्रीमती शारदा सुल्तानिया, सुश्री तान्या गुप्ता, श्रीमती शोभा पाठक, श्रीमती कोमल गुप्ता एवं श्रीमती दीपा केशवारे शामिल रहे। चित्रकला के निर्णायक मंडल में श्रीमती अर्चना राजपूत, श्रीमती रचना चतुर्वेदी, श्री राकेश पाण्डेय, श्री जगदीश उदय, श्री सुनील गुप्ता एवं श्रीमती श्रद्धा केडिया ने मूल्यांकन किया।

प्राथमिक स्तर भाषण में आयत कमल प्रथम, दिपांशु कंवर द्वितीय एवं ध्रुव तिवारी तृतीय रहे। चित्रकला में आर्यन रजक प्रथम, आरजु मौर्य द्वितीय एवं विद्या टेकारा तृतीय रहे। माध्यमिक स्तर भाषण में कु. अंजली वाकरे प्रथम,



अलीशा द्वितीय एवं अंकित चक्रधारी तृतीय रहे। माध्यमिक चित्रकला में निधि रजक प्रथम, आरती द्वितीय एवं पर्वती नामदेव तृतीय रहीं। कार्यक्रम की साज सज्जा एवं ध्वनि संयंत्रों का सफल व्यवस्था श्री रमेश प्रधान जी, श्री निर्मल पांडे और श्री मनीष साहू ने किया।

सुपोषण चौपाल में कलेक्टर ने बढ़ाया माताओं-बच्चों का उत्साह, कराई गोदभराई और अन्नप्राशन

गर्भवती महिलाओं को सुपोषण किट देकर नियमित स्वास्थ्य जांच और पौष्टिक आहार के लिए किया प्रेरित

एक सत बुलेटिन ➤ सारंगढ़ बिलाईगढ़

जिले के बरमकेला परियोजना अंतर्गत सरिया सेक्टर के आंगनवाड़ी केंद्र भठलीपुरा-02 में आयोजित सुपोषण चौपाल में कलेक्टर श्रीमती पद्मिनी भोई साहू शामिल हुईं। कार्यक्रम में उन्होंने गर्भवती महिलाओं और बच्चों के साथ आत्मीय संवाद करते हुए मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा पोषण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। कलेक्टर ने आंगनवाड़ी केंद्र की दो गर्भवती महिलाओं को पारंपरिक रीति-रिवाज से गोदभराई कराई और छह माह की आयु पूर्ण कर चुके दो बच्चों को अपने हाथों से खीर खिलाकर अन्नप्राशन संस्कार संपन्न कराया।

इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती पद्मिनी भोई साहू ने गर्भवती महिलाओं को सुपोषण किट प्रदान किए। उन्होंने कहा कि गर्भावस्था के दौरान संतुलित एवं पौष्टिक आहार के साथ नियमित स्वास्थ्य जांच बेहद जरूरी है। उन्होंने माताओं को बच्चों के छह माह की आयु पूर्ण होने के बाद ऊपरी आहार शुरू करने तथा बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने के लिए प्रेरित किया।



सुपोषण चौपाल के माध्यम से महिलाओं और अभिभावकों को मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी भी दी गई। कलेक्टर ने



आंगनवाड़ी केंद्र में उपलब्ध सेवाओं तथा बच्चों और महिलाओं के पोषण की स्थिति की जानकारी ली और विभागीय अमले को पोषण संबंधी गतिविधियों को निरंतर प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में परियोजना अधिकारी (बिलाईगढ़) श्री

तेजस्वी ध्रुव, पर्यवेक्षक श्रीमती पद्मिनी भोई, कु. खुरशद बानो खान, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता भूमिसुता पटेल, सहायिका जितेशिनी पाणिग्रही सहित गांव की महिलाएं एवं बच्चों के अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सारंगढ़ नगर पालिका के वार्डों का आरक्षण 28 सितंबर को

कलेक्टर ने जारी किया आदेश, नागरिकों की उपस्थिति में होगी आरक्षण

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला पेंड़ा मरवाही

सारंगढ़ बिलाईगढ़, नगरीय निकाय निर्वाचन की तैयारियों के तहत सारंगढ़ नगर पालिका परिषद के वार्डों के आरक्षण की प्रक्रिया 28 सितंबर 2026 को संपन्न की जाएगी। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय निर्वाचन) श्रीमती पद्मिनी भोई साहू ने आदेश जारी किया है। वार्ड आरक्षण की प्रक्रिया जिला कार्यालय सारंगढ़ के सभाकक्ष में सुबह 11 बजे आयोजित होगी।

राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार वार्डों के आरक्षण के लिए समिति का गठन किया गया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी को

विहित प्राधिकारी बनाया गया है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत सारंगढ़ नोडल अधिकारी तथा मुख्य नगरपालिका अधिकारी, नगर पालिका परिषद सारंगढ़ को सचिव एवं प्रस्तुतकर्ता की जिम्मेदारी दी गई है।

अनुसूचित जाति-जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए होगा आरक्षण

आरक्षण की प्रक्रिया में नगर पालिका के कुल वार्डों में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के लिए वार्डों का आरक्षण संबंधित वर्ग की जनसंख्या के अनुपात के आधार पर किया जाएगा। इसके लिए निर्धारित नियमों के अनुसार वार्डों का चयन एवं क्रम निर्धारित किया जाएगा। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित वार्डों की संख्या को ध्यान में रखते

हुए अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए भी नियमानुसार शेष वार्डों में से आरक्षण की प्रक्रिया लॉट के माध्यम से की जाएगी। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित वार्डों में से नियमानुसार एक-तिहाई वार्ड संबंधित वर्ग की महिलाओं के लिए लॉट निकालकर आरक्षित किए जाएंगे।

आरक्षण की पूरी प्रक्रिया छत्तीसगढ़ नगर पालिका अधिनियम एवं शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप संपन्न की जाएगी। निर्धारित तिथि एवं समय पर विहित प्राधिकारी की उपस्थिति में नागरिकों के समक्ष वार्डों के आरक्षण की प्रक्रिया संपन्न होगी। पूरी कार्यवाही को विधिवत लेखबद्ध करने की जिम्मेदारी मुख्य नगरपालिका अधिकारी, नगर पालिका परिषद सारंगढ़ को सौंपी गई है।

न्यूज़ इन शॉर्ट



टेंट हाउस और मछली पालन से बढ़ी आमदनी, बिहान से जुड़कर लखपति दीदी बनीं कुन्ती निषाद
रायपुर, । टेंट हाउस और मछली पालन से बढ़ी आमदनी, बिहान से जुड़कर लखपति दीदी बनीं कुन्ती निषाद प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्षों की सार्वजनिक सेवा यात्रा के दौरान आत्मनिर्भर भारत और महिला सशक्तिकरण को निरंतर प्राथमिकता दी गई है। इसी भावना को साकार करते हुए ग्रामीण महिलाएं आज स्व-सहायता समूहों से जुड़कर अपने हुनर और मेहनत को आजीविका का आधार बना रही हैं। महासमुंद जिले के बसना विकासखंड के ग्राम पुरुषोत्तमपुर की श्रीमती कुन्ती निषाद की जीवन इसी बदलाव की कहानी है, जिन्होंने बिहान योजना से जुड़कर कृषि मजदूरी के साथ टेंट हाउस, कैटरिंग और मछली पालन को अपनी आय का साधन बनाया और परिवार की वार्षिक आय को मजबूत करते हुए लखपति दीदी बनने की दिशा में कदम बढ़ाया है। सरस्वती महिला स्व सहायता समूह में कुल 10 सदस्य हैं। समूह को आरएफ के रूप में 15 हजार रुपये तथा सीआईएफ के रूप में 60 हजार रुपये की राशि प्राप्त हुई है। वहीं बैंक लिंकेज के माध्यम से तृतीय किस्त में 3 लाख रुपये का ऋण प्राप्त हुआ। समूह की अध्यक्ष श्रीमती मानकी सिदार और सचिव श्रीमती चन्द्रिका साहू के मार्गदर्शन में समूह की महिलाएं विभिन्न आजीविका गतिविधियों से जुड़कर आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। श्रीमती कुन्ती निषाद बताती हैं कि समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने कृषि कार्य के साथ टेंट हाउस एवं कैटरिंग का कार्य प्रारंभ किया। इसके साथ ही मछली पालन और पशुपालन जैसी गतिविधियों से भी आय अर्जित होने लगी। वर्तमान में कृषि कार्य से लगभग 1 लाख 75 हजार रुपये तथा टेंट हाउस एवं कैटरिंग से लगभग 1 लाख 14 हजार रुपये की वार्षिक आय प्राप्त हो रही है। इस प्रकार परिवार की कुल वार्षिक आय लगभग 2 लाख 89 हजार रुपये तक पहुंच गई है। बढ़ती आमदनी और व्यवसाय के विस्तार को देखते हुए समूह ने टेंट का सामान लाने-ले जाने में सुविधा के लिए ट्रैक्टर खरीदने का निर्णय लिया। समूह में प्रस्ताव पारित कर 2.50 लाख रुपये में पुराना ट्रैक्टर खरीदा गया। इससे टेंट हाउस के व्यवसाय को विस्तार देने के साथ परिवहन की समस्या भी दूर हुई और आय के नए अवसर बने। श्रीमती कुन्ती निषाद कहती हैं कि बिहान योजना से जुड़ने के बाद हमारी आर्थिक स्थिति में काफी सुधार हुआ है। समूह के माध्यम से हमें आगे बढ़ने का अवसर मिला। टेंट हाउस, कैटरिंग और मछली पालन जैसी गतिविधियों से हमारी आमदनी बढ़ी है। शासन की इस महत्वाकांक्षी योजना के लिए समूह में हृदय से आभार व्यक्त किया है।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में कक्षा 6वीं प्रवेश हेतु तृतीय चरण की चयन सूची जारी
अम्बिकापुर शिक्षण सत्र 2026-27 में जिला सरगुजा में संचालित 05 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु तृतीय चरण की काउंसिलिंग प्रक्रिया पूर्ण हो गई है। काउंसिलिंग में सम्मिलित विद्यार्थियों में से चयनित अभ्यर्थियों की विद्यालयवार सूची जारी कर दी गई है। चयन सूची एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय वेब पोर्टल jजिजचेरूध्मासंलग्नहणदपवणद पर उपलब्ध है। चयनित अभ्यर्थियों को आर्बिट एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में 18 सितम्बर से 24 सितम्बर 2026 तक प्रातः 10 बजे से शाम 5 बजे के मध्य उपस्थित होकर प्रवेश की प्रक्रिया पूर्ण करनी होगी।

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बिहान योजना लगातार नई मिसालें गढ़ रही है। स्व-सहायता समूहों से जुड़कर महिलाएं अपनी मेहनत, हुनर और समूह से मिली आर्थिक सहायता के सहारे स्वरोजगार की राह अपना रही हैं। ऐसी ही प्रेरणादायक कहानी विकासखंड मनेन्द्रगढ़ के ग्राम पंचायत घाघरा अंतर्गत ग्राम रामानुजनगर की कमला देवी की है, जिन्होंने जय भोलेनाथ महिला स्व-सहायता समूह से जुड़कर होटल व्यवसाय को अपनी आजीविका का मजबूत आधार बनाया है।

बिहान से जुड़कर आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ाया कदम

कमला देवी जय भोलेनाथ महिला स्व-सहायता समूह की सक्रिय सदस्य हैं। समूह का गठन 11 फरवरी 2018 को हुआ था और इसमें कुल 10 महिला सदस्य शामिल हैं। समूह बिहान योजना

संगीत-कला से पीढ़ियों को जोड़ रहा चक्रधर समारोह: मंत्री श्री नेताम

महाराजा चक्रधर सिंह की कला साधना को किया नमन, पांचवें दिन के कलाकारों को स्मृति चिन्ह देकर किया सम्मानित

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

41वें चक्रधर समारोह की पांचवीं सांस्कृतिक संस्था में छत्तीसगढ़ शासन के कृषि मंत्री एवं रायगढ़ जिले के प्रभारी मंत्री श्री रामविचार नेताम शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इसके बाद महाराजा चक्रधर सिंह के छायाचित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री श्री नेताम ने कहा कि चक्रधर समारोह कला के माध्यम से लोगों को जोड़ने वाला ऐसा मंच है, जहां कला प्रेमी, कलाकार और कला साधक एक साथ आते हैं। उन्होंने रायगढ़ के उन कला प्रेमियों और श्रोताओं को नमन किया, जो पूरी रात बैठकर विभिन्न प्रस्तुतियों का आनंद लेते हैं। उन्होंने कहा कि कला के प्रति रायगढ़ की यह निरंतर रुचि और समर्पण समारोह की विशेष पहचान है।

महाराजा चक्रधर सिंह की कला साधना को किया



याद

प्रभारी मंत्री श्री नेताम ने कहा कि स्वर्गीय महाराजा चक्रधर

सिंह ने संगीत और कला के माध्यम से रायगढ़ घराने की पहचान को देश के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचाया। विशेष रूप से कथक नृत्य के क्षेत्र में उनके योगदान ने रायगढ़ को देश

और दुनिया में अलग पहचान दिलाई। उनकी कला साधना से प्रेरित होकर चक्रधर समारोह आज भी कला की इस परंपरा को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि महाराजा चक्रधर सिंह की स्मृति में आयोजित यह समारोह केवल प्रस्तुतियों का मंच नहीं है, बल्कि कला और संस्कृति की परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का माध्यम भी है। समारोह में प्रदेश के साथ देश के अलग-अलग क्षेत्रों से कलाकार शामिल होकर अपनी कला का प्रदर्शन कर रहे हैं।

पांचवें दिन के कलाकारों का किया सम्मान

मंत्री श्री नेताम ने पांचवें दिन प्रस्तुति देने वाले कलाकारों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने कलाकारों को उनकी प्रस्तुतियों के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कलाकारों की साधना और कला प्रेमियों की सहभागिता से ही ऐसे आयोजन निरंतर आगे बढ़ते हैं। प्रभारी मंत्री ने कला प्रेमियों से समारोह में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर कलाकारों का उत्साह बढ़ाने और अपनी सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

लंबित राजस्व प्रकरणों एवं भारतमाला परियोजना भू-अर्जन प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के लिए निर्देश

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

रायपुर संभागायुक्त श्री श्याम धावड़े की अध्यक्षता में आज 19 सितम्बर 2026 को प्रातः 11 बजे कार्यालय आयुक्त, रायपुर संभाग के सभाकक्ष में लंबित राजस्व प्रकरणों के निराकरण एवं भारतमाला परियोजना से संबंधित भू-अर्जन प्रकरणों की समीक्षा हेतु बैठक आयोजित की गई। बैठक में रायपुर संभाग अंतर्गत संबंधित जिलों के अपर कलेक्टर, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), भू-अर्जन से संबंधित अधिकारी तथा भारतमाला परियोजना के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में लंबित राजस्व प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के संबंध में आवश्यक जानकारी एवं प्रगति की समीक्षा की गई। इस दौरान नामांतरण, खाता विभाजन, व्यपवर्तन एवं सीमांकन से संबंधित लंबित राजस्व प्रकरणों के निराकरण की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई। साथ ही सीएम हेलपलाइन 1076 में प्राप्त आवेदनों के निराकरण की स्थिति की भी जानकारी ली गई। बैठक में भारतमाला परियोजना से संबंधित भू-अर्जन प्रकरणों की भी विस्तृत समीक्षा की गई। भू-अर्जन प्रकरणों में मध्यस्थ एवं सुलह अधिनियम, 1996 के अंतर्गत प्राप्त प्रकरणों से



संबंधित मूल अभिलेख एवं जवाबदावा की स्थिति की जानकारी ली गई। इसके अतिरिक्त डिजिटल क्रॉप सर्वे की प्रगति की भी समीक्षा की गई। आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों से प्रकरणवार जानकारी लेते हुए लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के लिए आवश्यक समन्वय सुनिश्चित करने तथा शासन के

निर्देशों के अनुरूप समयबद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने भारतमाला परियोजना से संबंधित भू-अर्जन प्रकरणों के निराकरण के साथ-साथ संबंधित मूल अभिलेखों के व्यवस्थित संधारण एवं आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए।

सेवा संकल्प अभियान: मजदूर पिता के सपनों को मिली नई उड़ान, अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना से बच्चे का भविष्य हुआ उज्ज्वल

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

आर्थिक परिस्थितियां भले ही सपनों के रास्ते में चुनौतियां खड़ी करें, लेकिन सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं इन चुनौतियों को अवसर में बदलने का काम कर रही हैं। ग्राम मोरगा, तहसील मनेन्द्रगढ़ निवासी बैशाखू सिंह के लिए अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना ऐसी ही उम्मीद की किरण बनकर सामने आई है। मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करने वाले बैशाखू सिंह की हमेशा से इच्छा थी कि उनके बच्चे को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, लेकिन सीमित आर्थिक संसाधनों के कारण यह सपना मुश्किल नजर आता था।

आर्थिक तंगी के बीच बेहतर शिक्षा का सपना

बैशाखू सिंह बताते हैं कि मजदूरी से होने वाली सीमित आय में परिवार की जरूरतों को पूरा करते हुए बच्चों को



बेहतर शिक्षा दिलाना उनके लिए बड़ी चुनौती थी। उनकी हमेशा इच्छा थी कि उनका बच्चा अच्छी शिक्षा प्राप्त करे और जीवन में आगे बढ़े। आर्थिक स्थिति के कारण यह सपना मुश्किल जरूर था, लेकिन उन्होंने उम्मीद नहीं छोड़ी।

अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना ने

बदली राह

अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना ने उनके इस सपने को साकार कर दिया। योजना के माध्यम से उनके बच्चे को कक्षा 6वीं से 12वीं तक राज्य के सर्वोत्तम निजी स्कूल में नि:शुल्क आवासीय शिक्षा का अवसर मिल रहा है। इससे बच्चे को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिला है और परिवार पर शिक्षा से जुड़ा आर्थिक बोझ भी कम हुआ है। आज उनका बच्चा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करते हुए अपने भविष्य को संवारने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। शिक्षा से मिली नई उम्मीद, भविष्य को लेकर बढ़ा विश्वास बैशाखू सिंह कहते हैं कि आज उन्हें विश्वास है कि उनका बच्चा अच्छी शिक्षा लेकर अपने भविष्य को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। उनके लिए यह योजना केवल शिक्षा का अवसर नहीं, बल्कि बच्चे के बेहतर भविष्य की मजबूत नींव है।

बदलाव की कहानी सफलता की कहानी

सेवा संकल्प अभियान: होटल व्यवसाय से आत्मनिर्भरता की राह पर कमला दीदी, जय भोलेनाथ महिला समूह ने दिया नई उड़ान का आधार

के अंतर्गत संचालित है। समूह से जुड़ी महिलाओं की क्षमता बढ़ाने और उन्हें आजीविका गतिविधियों से जोड़ने के लिए विकासखंड मिशन प्रबंधन इकाई के स्टाफ एवं कैडर द्वारा मार्गदर्शन एवं क्षमता संवर्धन का कार्य किया गया। कमला दीदी भी प्रारंभ से ही समूह से जुड़ी रहीं और सचिव के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाती रहीं।

समूह की आर्थिक मदद बनी होटल व्यवसाय की शुरुआत का आधार

बिहान योजना से जुड़ने के बाद कमला दीदी ने आर्थिक रूप से सशक्त बनने के उद्देश्य से होटल व्यवसाय शुरू किया। समूह को प्राप्त सीआईएफ राशि में से 20 हजार रुपये का उपयोग उन्होंने होटल का कार्य प्रारंभ करने में किया। दस्तावेज में समूह को प्राप्त सीआईएफ राशि 60 हजार रुपये, बीएल राशि 1 लाख रुपये तथा गतिविधि प्रारंभ करने के लिए 40 हजार रुपये की निवेश राशि का उल्लेख है।

मेहनत और लगन से हर महीने हो रही नियमित

आमदनी

कमला दीदी मेहनत और लगन के साथ होटल का संचालन कर रही हैं। होटल व्यवसाय शुरू होने के बाद उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है। दस्तावेज के अनुसार होटल संचालन से उन्हें औसतन 5 से 6 हजार रुपये प्रतिमाह की आमदनी हो रही है। इस आय से वे अपने परिवार की आजीविका चलाने में सहायक कर रही हैं। उनका यह छोटा व्यवसाय अब परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने का महत्वपूर्ण माध्यम बन गया है।

कमला दीदी की सफलता बनी गांव की महिलाओं के लिए प्रेरणा। कमला दीदी की सफलता बिहान योजना की उस सोच को मजबूती देती है, जिसमें ग्रामीण महिलाओं को स्व-सहायता समूहों से जोड़कर उन्हें आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने समूह से मिली सहायता और अपने परिश्रम के बल पर होटल व्यवसाय को अपनी आजीविका का साधन बनाया है।



न्यूज़ इन शॉर्ट

शार्वी सिंह परिहार ने कथक की मनमोहक प्रस्तुति दी

रायपुर। 41 वें चक्रधर समारोह-2026 की पांचवी सांस्कृतिक संध्या में युवा कथक नृत्यांगना शार्वी सिंह परिहार ने मनमोहक कथक प्रस्तुति दी। समारोह में शार्वी ने उठान और ‘कर्पूरगौर करुणावतार’ पर आधारित शिव वंदना से शुरुआत की। इसके बाद ठाट, गदनिक, तोड़ा-तुकड़ा, परन, लड़ी, तिहाई और चक्रदार तोड़ों के माध्यम से कथक की शास्त्रीय बारीकियों को प्रस्तुत किया। उनकी प्रस्तुति को दर्शकों ने सराहा। बाल्यावस्था से ही कथक की साधना कर रही शार्वी पिछले करीब 12 वर्षों से इस विधा का प्रशिक्षण ले रही हैं। वे गुरु तरुण कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में लखनऊ घराने की कथक परंपरा सीख रही हैं। शार्वी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के विभिन्न मंचों पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुकी हैं। उन्हें कई पुरस्कार और सम्मान भी प्राप्त हुए हैं। चक्रधर समारोह में भी वे पूर्व में समूह और एकल कथक प्रस्तुति दे चुकी हैं।

चक्रधर समारोह में अनंता पांडेय ने दी कथक प्रस्तुति

रायपुर। 41 वें चक्रधर समारोह-2026 की पांचवी सांस्कृतिक संध्या में युवा नृत्यांगना अनंता पांडेय ने कथक की प्रस्तुति दी। उन्होंने भाव, लय और ताल के साथ कथक नृत्य प्रस्तुत किया। प्रस्तुति पर दर्शकों ने तालियों के साथ उनका उत्साहवर्धन किया। अनंता ने 8 वर्ष की उम्र से मंच पर नृत्य करना शुरू किया। थाईलैंड में आयोजित अंतरराष्ट्रीय नृत्य चैम्पियनशिप में उन्होंने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की कई प्रतियोगिताओं में भी उन्होंने पुरस्कार हासिल किए हैं। वर्ष 2019 में अनंता ने पांच बच्चों के साथ भवप्रीता डांस एकेडमी की शुरुआत की। वर्तमान में वे बच्चों को कथक, सेमी-क्लासिकल और वेस्टर्न डांस का प्रशिक्षण दे रही हैं। वे इंदिरा कला एवं संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ में अध्ययनरत हैं। नृत्य के क्षेत्र में उन्हें कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है।

नागरिक सुविधा का मॉडल बना रायगढ़ का पंजीयन कार्यालय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व और वित्त मंत्री ओपी चौधरी की पहल से रायगढ़ के पंजीयन कार्यालय को आधुनिक सुविधाओं से युक्त मॉडल पंजीयन कार्यालय के रूप में विकसित किया गया है। सेवा संकल्प अभियान के तहत विकसित इस कार्यालय में पंजीयन प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित बनाया गया है। अब व्यवस्था का केंद्र कार्यालय की प्रक्रिया नहीं, बल्कि नागरिक की सुविधा और आवश्यकता को बनाया गया है। संपत्ति की रजिस्ट्री किसी भी व्यक्ति और परिवार के लिए महत्वपूर्ण प्रक्रिया होती है। इसे ध्यान में रखते हुए पंजीयन कार्यालय में नागरिकों को अनावश्यक परेशानी और बार-बार कार्यालय आने की स्थिति से बचाने के लिए प्रक्रिया के विभिन्न चरणों को व्यवस्थित किया गया है। कार्यालय में प्रवेश करते ही नागरिकों को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने के लिए हेल्प डेस्क एवं रिसोएशन की व्यवस्था की गई है। दस्तावेजों की प्रारंभिक जांच की सुविधा होने से कमियों की जानकारी प्रक्रिया के शुरुआती चरण में ही मिल जाती है। इससे अंतिम चरण में होने वाली परेशानी और अनावश्यक समय की बचत होती है। भीड़ और कतार की व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए टोकन आधारित कतार प्रबंधन प्रणाली लागू की गई है। मुद्रांक शुल्क, पंजीयन शुल्क और आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी बोर्ड एवं डिजिटल डिस्प्ले के माध्यम से प्रदर्शित की जा रही है। डिजिटल एवं कैशलेस भुगतान की सुविधा से लेन-देन में पारदर्शिता बढ़ी है। मॉडल पंजीयन कार्यालय में प्रतिदिन औसतन 64 नागरिक सेवाएं प्राप्त कर रहे हैं, जबकि प्रतिदिन औसतन 16 दस्तावेजों का पंजीयन हो रहा है। नागरिकों का औसत प्रतीक्षा समय 15.33 मिनट दर्ज किया गया है। अब तक प्राप्त फीडबैक में 105 सकारात्मक नागरिक प्रतिक्रियाएं भी दर्ज की गई हैं। मॉडल पंजीयन कार्यालय में नागरिकों की पूरी प्रक्रिया को 9 चरणों में व्यवस्थित किया गया है। इसमें कार्यालय में प्रवेश, हेल्प डेस्क से मार्गदर्शन, दस्तावेजों का प्री-चेक, टोकन प्राप्त करना, व्यवस्थित प्रतीक्षा, निर्धारित पंजीयन प्रक्रिया, डिजिटल अथवा कैशलेस भुगतान, दस्तावेज एवं स्टेटस की जानकारी और कार्य पूर्ण होने के बाद सम्मानजनक निकास शामिल है।

स्कूली छात्र-छात्राओं, स्थानीय एवं लोक कलाकारों ने दी प्रस्तुतियां

बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल स्मृति समारोह में लोक संस्कृति और देशभक्ति की मनमोहक प्रस्तुति

विधिक संगोष्ठी में नागरिकों को दी गई कानूनी अधिकारों एवं विधिक सहायता की जानकारी

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं संविधान निर्मात्री सभा के पूर्णकालिक सदस्य बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल की पुण्य स्मृति में आयोजित दो दिवसीय स्मृति समारोह के अंतर्गत सी-मार्ट परिसर (कचहरी चौक), जांजगीर एवं कृषि विज्ञान केंद्र जवै (च) में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में सी-मार्ट परिसर में विधिक संगोष्ठी के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों, स्कूली छात्र-छात्राओं एवं छत्तीसगढ़ी लोक कलाकारों ने देशभक्ति, सामाजिक सरोकार एवं छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति पर



आधारित मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। स्कूली छात्र-छात्राओं की प्रस्तुतियों में उत्साह, आत्मविश्वास और प्रतिभा की झलक देखने को मिली।

समारोह के अंतर्गत आयोजित विधिक संगोष्ठी में नागरिकों को उनके कानूनी अधिकारों एवं विधिक सहायता के संबंध में जानकारी दी गई। संगोष्ठी में विभिन्न कानूनों,

‘शिवशक्ति समर्पण’ में दिरवा

भगवान शिव के तांडव और माता पार्वती के लास्य का दिव्य संगम

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

41 वें अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त चक्रधर समारोह की सांस्कृतिक संध्या में बिलासपुर की श्वेता नायक एंड ग्रुप ने कुचिपुड़ी नृत्य की शानदार प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। ‘शिवशक्ति समर्पण’ शीर्षक से प्रस्तुत इस नृत्य में भगवान शिव के तांडव और माता पार्वती के लास्य का मनोहारी संगम देखने को मिला। प्रस्तुति में भक्ति, शक्ति, सौंदर्य और लय का सुंदर समावेश रहा। कार्यक्रम का आरंभ ‘मीनाक्षी पंचरत्नम्’ से हुआ। रागमालिका और आदि ताल में प्रस्तुत इस रचना के माध्यम से देवी मीनाक्षी के दिव्य स्वरूप, सौंदर्य और महिमा को कुचिपुड़ी की भावपूर्ण अभिव्यक्ति में प्रस्तुत किया गया। इसके बाद ‘तरंगम’ की प्रस्तुति ने दर्शकों का विशेष आकर्षण खींचा। थाली पर संतुलित नृत्य, जटिल पदसंचालन, लय और भाव के अद्भुत समन्वय ने प्रस्तुति को प्रभावशाली बनाया।

‘शिवशक्ति समर्पण’ में भगवान शिव के गंगाधर, चंद्रचूड़ और आनंद नटराज स्वरूपों का भावपूर्ण निरूपण किया गया। गंगा के शिव की जटाओं में अवतरण और भगवान शिव द्वारा लोककल्याण के लिए गंगा को अपनी जटाओं में धारण करने के प्रसंग को नृत्य



के माध्यम से जीवंत किया गया। गुरु श्वेता नायक के निर्देशन में डी. धारणी, श्री विद्या पॉल, चेतन्या साहू, मेघा सारथी, ऐश्वर्या, श्वेता सालिनी नायक, एन. स्तुति रेड्डी, एन. दिव्यांका, हर्षिता कैवर्त सहित कलाकारों ने प्रस्तुति दी।



अंजिनी मिश्रा की कृष्ण वंदना से शुरू हुई चक्रधर समारोह की पांचवीं सांस्कृतिक संध्या

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

41 वें अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त चक्रधर समारोह-2026 की पांचवीं सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ बिलासपुर की रायगढ़ घराने की कथक नृत्यांगना अंजिनी मिश्रा की मनमोहक प्रस्तुति से हुआ। उन्होंने कृष्ण वंदना के साथ कथक की प्रस्तुति आरंभ की। भावपूर्ण अभिनय, आकर्षक पद संचालन और लय-ताल के संधे हुए समन्वय ने मंच पर ऐसा वातावरण रचा कि दर्शक पूरी प्रस्तुति के दौरान मंत्रमुग्ध रहे।



गायन पर गुरु साहिल ने संगत प्रदान की। तबले की सधी हुई थाप, गायन के सुर और कथक की लयकारी के सुंदर मेल ने प्रस्तुति को और प्रभावशाली बना दिया।

तीन वर्ष की उम्र से शुरू हुई नृत्य साधन

अंजिनी मिश्रा ने महज तीन वर्ष की उम्र से नृत्य साधना प्रारंभ की। पिछले 15 वर्षों से वे संगीत नाटक अकादमी रत्न एवं पद्मश्री सम्मानित पंडित रामलाल बरेठ तथा उनके सुपुत्र गुरु भूपेंद्र बरेठ से कथक की शिक्षा प्राप्त कर रही हैं।

अपनी निरंतर कला साधना के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के अनेक प्रतिष्ठित मंचों पर कथक की प्रस्तुतियां दी हैं। इनमें मलेशिया सहित विदेशों के मंच भी शामिल हैं। अंजिनी मिश्रा भारत सरकार की सीसीआरटी छात्रवृत्ति प्राप्त कलाकार भी हैं। चक्रधर समारोह के मंच पर अपनी पहली प्रस्तुति में उन्होंने अपनी कला साधना के साथ रायगढ़ घराने की समृद्ध कथक परंपरा, गुरु-शिष्य परंपरा और राजा चक्रधर सिंह की संगीत एवं नृत्य साधना की विरासत को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

डीसीएस और एग्रीस्टैक से सुरक्षित हुए भूमि अभिलेख, योजनाओं का लाभ लेना हुआ आसान

डीसीएस और एग्रीस्टैक से सुरक्षित हुए भूमि अभिलेख, योजनाओं का लाभ लेना हुआ आसान

डिजिटल रिकॉर्ड से फसल और भूमि संबंधी जानकारी अब आसानी से उपलब्ध

कृषि, मत्स्य, पशुधन और राजस्व विभाग की योजनाओं का लाभ लेने में मिली सुविधा

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सुशासन में राजस्व विभाग की डीसीएस एवं एग्रीस्टैक पहल किसानों के भूमि और फसल संबंधी अभिलेखों को डिजिटल रूप से सुरक्षित एवं व्यवस्थित करने के साथ शासकीय योजनाओं का लाभ लेने की प्रक्रिया को सरल बनाने में मददगार साबित हो रही है। जशपुर जिले के दुलदुला तहसील के ग्राम सिरिमकेला वार्ड क्रमांक 09 निवासी किसान मनरखन पिता जमुन को भी इसका लाभ मिला है। डिजिटल रिकॉर्ड से भूमि संबंधी जानकारी हुई आसान हितग्राही मनरखन ने बताया कि पहले



भूमि की गिरदावरी और पंजीयन से संबंधित जानकारी प्राप्त करने में उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। धान की गिरदावरी हुई है या नहीं तथा भूमि का कितना क्षेत्रफल पंजीकृत है, इसकी जानकारी प्राप्त करने में भी परेशानी होती थी। डीसीएस एवं एग्रीस्टैक से जुड़ने के बाद उनकी भूमि का डिजिटल रिकॉर्ड दर्ज हुआ है। इससे भूमि संबंधी दस्तावेज और अभिलेख सुरक्षित एवं व्यवस्थित हुए हैं। डिजिटल रिकॉर्ड के माध्यम से अब फसल और भूमि से संबंधित जानकारी प्राप्त करना भी अधिक सुविधाजनक हो गया है।

विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ लेने में सुविधा

मनरखन ने बताया कि डीसीएस एवं एग्रीस्टैक से जुड़ने के बाद कृषि, मत्स्य, पशुधन और राजस्व

विभाग की पात्रतानुसार संचालित योजनाओं का लाभ लेने में सुविधा हो रही है। खाद-बीज, कृषि यंत्र और पशुधन से संबंधित योजनाओं की प्रक्रियाओं में भी डिजिटल रिकॉर्ड उपयोगी साबित हो रहा है।

उन्होंने बताया कि अब सीएससी सेंटर अथवा ऑनलाइन माध्यम से घर बैठे फसल एवं भूमि संबंधी जानकारी प्राप्त करना आसान हुआ है। डिजिटल रिकॉर्ड के कारण अपनी उपज, विशेषकर धान की बिक्री से संबंधित प्रक्रिया में भी सुविधा मिलने की उम्मीद है।

डिजिटल व्यवस्था के लिए शासन के प्रति जताया आभार

मनरखन ने कहा कि डीसीएस एवं एग्रीस्टैक में भूमि का डिजिटल रिकॉर्ड दर्ज होने से उनके भूमि संबंधी दस्तावेज सुरक्षित हुए हैं और अपनी भूमि एवं फसल की जानकारी प्राप्त करना आसान हुआ है। उन्होंने कहा कि डिजिटल रिकॉर्ड के माध्यम से विभिन्न विभागों की शासकीय योजनाओं का पात्रतानुसार लाभ लेने में भी सुविधा मिलेगी। उन्होंने इस डिजिटल व्यवस्था के लिए छत्तीसगढ़ शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया।

सेवा संकल्प अभियान



ड्राइंग, पेंटिंग और भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साह से लिया हिस्सा

रायपुर। ‘सेवा संकल्प अभियान’ के दूसरे दिन रायगढ़ जिले के पुसौर विकासखंड के समस्त प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक, हाई एवं हायर सेकेंडरी विद्यालयों में ड्राइंग, पेंटिंग एवं भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विकासखंड शिक्षा अधिकारी भुवनेश्वर पटेल के मार्गदर्शन में आयोजित इन गतिविधियों में शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई और अपनी रचनात्मकता एवं अभिव्यक्ति कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने ‘सेवा’ और ‘सपना’ की थीम पर अपनी कल्पनाओं को रंगों और शब्दों के माध्यम से प्रस्तुत किया। कक्षा 1 से 8 वीं तक के विद्यार्थियों ने निर्धारित शीट पर चित्र बनाए, जबकि हाई एवं हायर सेकेंडरी स्तर के विद्यार्थियों ने ड्राइंग शीट पर अपनी रचनात्मक प्रतिभा दिखाई। स्वच्छ भारत, डिजिटल इंडिया, विकसित भारत-2047, पर्यावरण संरक्षण तथा देश की सुरक्षा एवं सेना के शौर्य जैसे विषयों पर विद्यार्थियों ने आकर्षक पेंटिंग तैयार की। वहीं भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने प्रभावशाली वक्तव्यों के माध्यम से अपने विचार व्यक्त किए।

विचार

नरेंद्र सिंह

लेखक

देश में मोदी होना

प्रधानमंत्री मोदी को जन्मदिन की विलंबित बधाइयां..! हम उनके बेहतर स्वास्थ्य, सतत सक्रियता और दीर्घायु की दुआएं भी करते हैं। मोदी सवा 12 साल, अर्थात् 4500 से अधिक दिन, से भारत के निरंतर प्रधानमंत्री हैं। देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के बाद प्रधानमंत्री मोदी ही हैं, जो लगातार तीन बार प्रधानमंत्री बने हैं। यह हमारे सशक्त और विवेकी लोकतंत्र तथा न्यायिक जनमत की ही ताकत है। 1984-85 के लोकसभा चुनाव में जिस भाजपा के मात्र दो सांसद जीत पाए थे, राष्ट्रीय नेता अटल बिहारी वाजपेयी को पराजित होना पड़ा था, वह मई 2014 से निरंतर केंद्रीय सत्ता में हैं। लोकसभा में भाजपा के आज 240 सांसद हैं, 282 और 303 सांसद भी रह चुके हैं। राज्सभा में 116 सांसद हैं और एनडीए के सांसदों को मिला कर पूर्ण बहुमत है। देश में पार्टी के कुल 1813 विधायक हैं। भाजपा-एनडीए की 22 राज्यों में सरकारें हैं और देश की करीब 78 फीसदी आबादी पर उनका शासन है। ये तथ्य आप भी जानते होंगे। हम तो प्रसंगवश प्रस्तुत कर रहे हैं, क्योंकि यह प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की चौतरफा स्वीकृति का दस्तावेजी यथार्थ है। बीते 12 साल का कालखंड प्रधानमंत्री मोदी का रहा है। उनके नेतृत्व में सभी पूर्वोत्तर राज्य ‘भाजपामय’ हैं, जो कभी कांग्रेस या क्षेत्रीय दलों के गढ़ थे। ओडिशा जैसे ‘पटनायकवादी’ और गैर-भाजपा राज्य में आज भाजपा का मुख्यमंत्री है। वाममोर्चे और ममता बनर्जी के जनाधार वाला राज्य, जहां कई क्षेत्र मुस्लिम-बहुल हैं, लिहाजा भाजपा-विरोधी हैं, उस पश्चिम बंगाल में 202 सीटों का ऐतिहासिक, प्रचंड जनादेश आज भाजपा के पक्ष में है। बेशक दक्षिण भारत अभी ‘भाजपामय’ होना शेष है। दरअसल प्रधानमंत्री मोदी ‘अपरंपरागत’ नेता हैं। भारत गुटनिरपेक्ष, समाजवादी राजनीति और कूटनीति के झंडेबरदार देशों में लंबे समय तक रहा। कमोबेश इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री काल तक इसी सोच और कूटनीति का प्रचार किया जाता रहा, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने बहुध्रुवीय, बहुगुब्बहन राजनीति की सोच दी, लिहाजा कूटनीति भी बदली। आज भारत के यूरोप, पश्चिमी देशों के साथ राजनयिक संबंध हैं, तो रूस और चीन के साथ भी भारत कई संगठनों, शिखर सम्मेलनों का सदस्य है। मुस्लिम-अरब बहुल के देश भी भारत के ‘मित्र’ हैं। जी-20 में ‘ग्लोबल साउथ’ की आवाज के तौर पर अफ्रीकी देशों को शामिल करने के पेजबान प्रधानमंत्री मोदी के सफल प्रयास के मद्देनजर अफ्रीकी देश भारत को अपना ‘अंतरंग हमदर्द’ मानते हैं। शायद कूटनीति की व्यापकता और विविधता के कारण ही 37 देश अपने ‘सर्वोच्च सम्मान’ से प्रधानमंत्री मोदी और उनके जरिए भारत को विभूषित कर चुके हैं। यह भारतीय प्रधानमंत्री का ‘जन-कीर्तिमान’ है।प्रधानमंत्री मोदी की अंतरराष्ट्रीय रेटिंग भी 68-71 फीसदी आंकी गई है, जो सर्वाधिक है। सभी विश्व नेताओं की औसत रेटिंग 50 फीसदी से कम है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप तो ‘रसातल’ में हैं। प्रधानमंत्री मोदी ‘अपरंपरागत’ इसलिए हैं कि उन्होंने लालकिले से 15 अगस्त के संबोधन में ‘देवालय’ से पहले ‘शौचालय’ को अहम करार दिया था और फिर यह राष्ट्रीय योजना बनाई थी। ऐसा कहने और करने वाले मोदी एकमात्र प्रधानमंत्री हैं। आज देश में करीब 12 करोड़ ‘पारिवारिक शौचालय’ हैं। यह बयान खुद प्रधानमंत्री और गृहमंत्री दे चुके हैं। अब शौचालय स्वच्छता के साथ-साथ सामाजिक, पारिवारिक और महिला की प्रतिष्ठा के प्रतीक बन चुके हैं। ‘जन-धन खाता’, ‘मुद्रा’ योजना, ‘उज्जवला’ योजना और 81 करोड़ से अधिक भारतीयों को ‘मुफ्त राशन’ आदि सभी परंपरागत लोक से हट कर योजनाएँ हैं। बहरहाल प्रधानमंत्री के संदर्भ में एक राजनीतिक जुमला उछला जाता रहा है- ‘मोदी है तो मुमकिन है।’ हमारा विश्लेषण यह मानता है- ‘मोदी होना आसान नहीं।’ प्रधानमंत्री मोदी भी इनसान हैं, लिहाजा उनमें भी मानवीय विरोधाभास और खामियां हैं। वह ‘अतिमानव’ नहीं हैं और न ही ऐसा चरित्र-चित्रण करना चाहिए। भाजपा के शीर्षस्थ नेता रहे लालकृष्ण आडवाणी कहा करते थे कि नरेंद्र मोदी सबसे अधिक ‘आलोचित’ नेता हैं। हमारा मानना है कि यह आलोचना नफरत की हद तक है। लोकतंत्र में यह स्वीकार्य नहीं है, लिहाजा बार-बार चुनावी जनादेश नफरतबाजों के खिलाफ जाता है। हमने भी देश में स्कूल, शिक्षा, अध्यापक, बेरोजगारी, गरीबी, अर्थव्यवस्था, आर्थिक असमानता आदि को लेकर प्रधानमंत्री से सवाल किए हैं।

(एक नजर)

सुबह की 4 आदतें कर देगी कंगाल

आचार्य चाणक्य को भारत के महान नीतिशास्त्रियों और अर्थशास्त्रियों में गिना जाता है। उनकी नीतियां और विचार आज के समय में भी उतने ही सटीक बैठते हैं, जितने सदियों पहले थे। कई बार ऐसा देखने को मिलता है कि व्यक्ति कड़ी मेहनत करके अच्छी खासी कमाई तो कर लेता है, लेकिन फिर भी उसके पास पैसा टिक नहीं पाता है। सैलरी आते ही हाथ खाली हो जाते हैं , आर्थिक तंगी घेने लगती है।चाणक्य नीति के अनुसार, हमारी रोजमर्रा की आदतें और खास तौर पर सुबह की शुरुआत का तरीका हमारी आर्थिक स्थिति पर बहुत गहरा असर डालता है। अगर सुबह उठते ही कुछ खास बातों का ध्यान न रखा जाए, तो मां लक्ष्मी रूठ हो जाती हैं, घर में कंगाली आने लगती है। आइए जानते हैं कि वे कौन सी दो बड़ी गलतियां हैं जो सुबह के वक्त पैसों के टिकने में रुकावट बनती हैं-1. सुबह उठते ही घर में कलह या तनाव का माहौल बनाना आचार्य चाणक्य के अनुसार, दिन की शुरुआत हमेशा सकारात्मक और शांत माहौल में होनी चाहिए। जिन घरों में सुबह उठते ही वाद-विवाद, गुस्सा, चोख-चिखलट या पैसों को लेकर बहसबाजी शुरू हो जाती है, वहां कभी भी बरकत नहीं होती।

विचार

सत्यपाल वशिष्ठ

लेखक

समय की मांग है कि भारत देखभाल को एक संगठित सामाजिक व्यवस्था और सम्मानजनक व्यवसाय का स्वरूप दे। इसके लिए भारत को चीन, जापान, आस्ट्रेलिया, स्वीडन और डेनमार्क देशों के माडल का अध्ययन करना चाहिए। इससे कई लोगों को देश में रोजगार मिलने की संभावना है।

कभी भारतीय परिवार में बुजुर्ग घर की धुरी हुआ करते थे। संयुक्त परिवार में दादा-दादी, माता-पिता, बच्चे और अन्य सदस्य एक-दूसरे का सहारा बनकर रहते थे। उम्र बढ़ने पर बुजुर्गों को यह चिंता नहीं रहती थी कि बीमारी या असाध्य अवस्था में उनकी देखभाल कौन करेगा। परिवार ही उनकी सबसे बड़ी सुरक्षा था। लेकिन आज संयुक्त परिवार टूटकर एकल परिवारों में बदल रहे हैं और इसके साथ ही देखभाल एक बड़ी सामाजिक चुनौती बनती जा रही है। नीति आयोग के अनुसार भारत में बुजुर्गों (60 वर्ष से ऊपर आयु) की आबादी 2022 में लगभग 147 मिलियन थी, जिसके 2500 तक बढ़कर लगभग 347 मिलियन होने का अनुमान है।



कुछ परंपराओं में शाकाहारी भोजन के नियम कायम हैं, जबकि कुछ में अनुष्ठानों के हिस्से के रूप में देवी-देवताओं को मांसाहारी भोजन अर्पित करना अनिवार्य है। हालांकि, इस तरह की प्रथाओं को सुदूर पश्चिम या उत्तर में इतने बड़े दर्शक वर्ग नहीं मिलते हैं, यही कारण है कि इस तरह की आहार संबंधी प्राथमिकताएं जिज्ञासा जगाती रहती हैं और बहस को जन्म देती हैं। भारत एक हिंदू बहुसंख्यक देश है और भारत में शाकाहार के मुकाबले नॉनवेज खाने वाले भी बहुसंख्यक हैं। अर्थात नॉनवेज खाने वालों की संख्या ज्यादा है। 140 करोड़ की आबादी वाले भारत में 57 प्रतिशत पुरुष और 45 फीसदी महिलाएं नॉनवेज खाते हैं। ऐसे में सवाल उठाते हैं कि क्या किसी का मछली खाना राजनीतिक मुद्दा हो सकता है?

विचार

प्रो. संजय द्विवेदी

लेखक

पिछले एक वर्ष में माननीय गृह मंत्री जी के नेतृ?व में मंत्री जी के नेतृ?व में राजभाषा विभाग ने हिंदी के साथ–साथ भारतीय भाषाओं के लिए भी कई महत्वपूर्ण पहल की हैं। जून 2025 में भारतीय भाषा अनुभाग की शुरुआत हुई। इसका उद्देश्य भारतीय भाषाओं के बीच संवाद बढ़ाना और उन्हें तकनीक तथा प्रशासन से जोड़ना है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की हिंदी सेवा एक नहीं, अनेक दृष्टियों से ध्यान देने योग्य है। मूलतः गुजरातीभाषी श्री शाह मूलतः हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए योजनाओं, अनुवाद-कार्य और हिंदी-सलाहकार समितियों के माध्यम से लगातार प्रयासरत है। श्री शाह हिंदी को प्रशासन, शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, पत्रकारिता और उच्च ज्ञान-विमर्श की भाषा बनाने के लिए गुणवत्तापूर्ण समग्री, आधुनिक शब्दावली और अनुवाद की मजबूत व्यवस्था की अनवरत हिमायत करते हैं।हिंदी के प्रति अमित शाह का लगाव केवल औपचारिक राजभाषा–नीति तक सीमित नहीं दिखाई देता। वर्ष 2019 में हिंदी दिवस के अवसर पर उन्होंने हिंदी को स्वतंत्रता आंदोलन की चेतना से जोड़ा था।गत वर्ष 2025 में भी श्री शाह ने हिंदी दिवस पर आयोजित अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में हिंदी के संवर्धन से जुड़े कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने पर बल दिया था।पिछले एक वर्ष में माननीय गृह मंत्री जी के नेतृ?व में राजभाषा विभाग ने हिंदी के साथ-साथ भारतीय भाषाओं के लिए भी कई महत्वपूर्ण पहल की हैं। जून 2025 में भारतीय भाषा अनुभाग की शुरुआत हुई। इसका उद्देश्य भारतीय भाषाओं के बीच संवाद बढ़ाना और उन्हें तकनीक तथा प्रशासन से जोड़ना है। इस पहल से राजभाषा विभाग के काम का दायरा भी व्यापक हुआ है। विभाग ने नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों यानी नराकासों के काम को प्रोत्साहित करने के लिए

अधिकारी के वीडियो से प्रेरणा लेते हुए, सत्ताधारी पार्टी ने सुझाव दिया कि उसे शाकाहारी-मांसाहारी बहस को समाप्त कर देना चाहिए। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि यह विवाद यहीं समाप्त होना चाहिए। भाजपा ने खानपान को लोगों का व्यक्तिगत मामला बता कर मुख्यमंत्री अधिकारी के मछली खाने के विवाद से पीछा छुड़ाने की कोशिश की है। सवाल यह है कि क्या भाजपा लोगों को अपने हिसाब से जीने का पूरा अधिकार देती है। लोग क्या खाएं, क्या पीएं, कैसे कपड़े पहनें और इससे बढकर किसके साथ रहें या किसके साथ नहीं रहें, क्या इन सभी मामलों में भाजपा की सहमति है। दरअसल भाजपा वोट बैंक के हिसाब से मुद्दे तय करती है। मतलब जहां वोट बैंक को खुश रखना है तो लोग मांस मछली खाएं, कोई फर्क नहीं पड़ेगा, किन्तु ऐसा करने से यदि विपक्षी दलों को निशाना बनाकर वोट बंटोरे जा सकते हैं, तो भाजपा चूकगी नहीं।जर्मिन बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेन्दु अधिकारी के राजधानी कोलकाता स्थित सदियों पुराने कालीघाट मंदिर में मछली खाने का मुद्दा सुर्खियों में रहा। अधिकारी अमावस्या के अवसर पर कालीघाट गए, जिसे शाक हिंदू शुभ मानते हैं। उन्होंने जमीन पर बैठकर भोग खाया, जिसमें एक विशाल मछली का सिर शामिल था, जो कालीघाट भोग की थाली का प्रतीक है। इसके अलावा, तली हुई मछली और बसंती पुलाव (पीले चावल) भी थे। इससे पहले बागेश्वर धाम के मुख्य पुजारी धीरेंद्र शास्त्री, जिन्हें बागेश्वर बाबा के नाम से भी जाना जाता है, द्वारा दुर्गा पूजा के दौरान बंगाली हिंदुओं से मांसाहारी भोजन का त्याग करने की अपील की थी। उन्होंने दुर्गा पूजा के दौरान मांसाहारी भोजन करने वाले बंगाली हिंदुओं को पाखंडी भी कहा था। शास्त्री ने कहा- ‘मांसाहारी भोजन की बिक्री बंद करने के पक्ष में कौन है? कृपया अपने मोबाइल फोन की लाइट जलाकर यह संकेत दें। यह संदेश पश्चिम बंगाल के हर व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए और सरकार को इस मुद्दे से अवागत कराया जाना चाहिए। दुर्गा पूजा के दौरान पश्चिम बंगाल में मांस और शाबक की दुकानें बंद रहनी चाहिए। इस पर भाजपा के बंगाल प्रमुख सामिक भट्टाचार्य ने कहा कि बागेश्वर बाबा एक अलग ही दुनिया से आते हैं। बंगाल

हिंदी सेवा का अमित दृष्टांत

पिछले एक वर्ष में माननीय गृह मंत्री जी के नेतृ?व में राजभाषा विभाग ने हिंदी के साथ-साथ भारतीय भाषाओं के लिए भी कई महत्वपूर्ण पहल की हैं। जून 2025 में भारतीय भाषा अनुभाग की शुरुआत हुई। इसका उद्देश्य भारतीय भाषाओं के बीच संवाद बढ़ाना और उन्हें तकनीक तथा प्रशासन से जोड़ना है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की हिंदी सेवा एक नहीं, अनेक दृष्टियों से ध्यान देने योग्य है। मूलतः गुजरातीभाषी श्री शाह स्वयं हिंदी में काम करते हैं, इसलिए स्वाभाविक तौर पर हिंदी में सरकारी कामकाज बढ़ा है। श्री शाह के कारण सरकारी पत्रावलियां हिंदी में बनती हैं। श्री शाह के मार्गदर्शन में केंद्रीय गृह मंत्रालय राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए योजनाओं, अनुवाद-कार्य और हिंदी-सलाहकार समितियों के माध्यम से लगातार प्रयासरत है। श्री शाह हिंदी को प्रशासन, शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, पत्रकारिता और उच्च ज्ञान-विमर्श की भाषा बनाने के लिए गुणवत्तापूर्ण समग्री, आधुनिक शब्दावली और अनुवाद की मजबूत व्यवस्था की अनवरत हिमायत करते हैं।हिंदी के प्रति अमित शाह का लगाव केवल औपचारिक राजभाषा–नीति तक सीमित नहीं दिखाई देता। वर्ष 2019 में हिंदी दिवस के अवसर पर उन्होंने हिंदी को स्वतंत्रता आंदोलन की चेतना से जोड़ा था।गत वर्ष 2025 में भी श्री शाह ने हिंदी दिवस पर आयोजित अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में हिंदी के संवर्धन से जुड़े कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने पर बल दिया था।पिछले एक वर्ष में माननीय गृह मंत्री जी के नेतृ?व में राजभाषा विभाग ने हिंदी के साथ-साथ भारतीय भाषाओं के लिए भी कई महत्वपूर्ण पहल की हैं। जून 2025 में भारतीय भाषा अनुभाग की शुरुआत हुई। इसका उद्देश्य भारतीय भाषाओं के बीच संवाद बढ़ाना और उन्हें तकनीक तथा प्रशासन से जोड़ना है। इस पहल से राजभाषा विभाग के काम का दायरा भी व्यापक हुआ है। विभाग ने नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों यानी नराकासों के काम को प्रोत्साहित करने के लिए



के लोग क्या खाएंगे, यह तय करने का बागेश्वर बाबा को कोई अधिकार नहीं है। बंगाली लोग मछली और मांस खाएंगे। विवेकानंद ने बंगालियों द्वारा मांस और मछली के सेवन के पक्ष में बात की है। उन्होंने बागेश्वर बाबा की अपील का जवाब देते हुए कहा कि वे स्वयं मंदिर गए और देवता को अर्पित किए गए प्रसाद में से मांसाहार का सेवन किया। बंगाली लोगों के नियमित आहार में मछली एक प्रमुख खाद्य पदार्थ है। भारत के पूर्वी क्षेत्रों में सांस्कृतिक और धार्मिक रीति-रिवाजों के अंतर्संबंध के कारण, इस क्षेत्र में प्रचलित शाक परंपराओं में मछली एक महत्वपूर्ण प्रसाद के रूप में उभर कर सामने आई है।उदाहरण के तौर पर, कालीघाट में काली को मछली और बलि के लिए बकरी का मांस दोनों ही अर्पित किए जाते हैं। देश के इस हिस्से में सबसे बड़े त्योहार दुर्गा पूजा के दौरान भोजन मुख्य रूप से मांसाहारी होता है। इसे बुरा नहीं माना जाता, बल्कि इसका जश्न मनाया जाता है। कुछ परंपराओं में शाकाहारी भोजन के नियम



‘नराकास प्रोत्साहन सम्मान’ की व्यवस्था भी शुरू की है। इससे उन नराकासों को आगे आने का अवसर मिलेगा, जो अपने क्षेत्र में राजभाषा के काम को बेहतर ढंग से आगे बढ़ा रही हैं। तकनीक के क्षेत्र में भी राजभाषा विभाग ने नई पहल की है। ‘भारती - बहुभाषी अनुवाद सारथी’ के माध्यम से हिंदी से भारतीय भाषाओं के बीच अनुवाद को आसान बनाने की दिशा में काम हुआ है। इसके साथ ‘हिंदी शब्द-सिंधु’ जैसे शब्दकोश को भी विकसित किया गया है। ‘हिंदी शब्द-सिंधु’ में विभिन्न भारतीय भाषाओं के शब्दों को शामिल किया जा रहा है। इसका उद्देश्य हिंदी को दूसरी भारतीय भाषाओं से जोड़ना है, न कि उनसे अलग करना। इन प्रयासों से साफ है कि राजभाषा का काम अब केवल सरकारी कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग तक सीमित नहीं है। यह भाषा, तकनीक और भारतीय भाषाओं के बीच नए संबंध बनाने की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है।श्री शाह के हिंदी प्रेम का एक उल्लेखनीय पक्ष यह भी है कि वे हिंदी को भारतीय भाषाओं की प्रतिद्वंद्वी के रूप में प्रस्तुत करने के बजाय उनके साथ चलने वाली भाषा के रूप में देखते हैं। अमित शाह का हिंदी प्रेम हिंदी के विकास के साथ भारतीय भाषाओं के

सम्मान और संरक्षण के रूप में आगे बढ़ता है। कहना न होगा कि यह दृष्टि भारतीय भाषायी एकता को मजबूत करनेवाली है। हिंदी की वास्तविक शक्ति उसकी आत्मीयता, समावेशिता और संवादधर्मिता में है। भारत में हिंदी का विस्तार तभी सार्थक होगा, जब वह दूसरी भारतीय भाषाओं के प्रति सम्मान और संवाद का भाव लेकर आगे बढ़े। हिंदी का भारतीय भाषाओं से संबंध वचस्व का नहीं, आदान-प्रदान का होना चाहिए। भारतीय भाषाओं का इतिहास भी प्रतिस्पर्धा का इतिहास नहीं, बल्कि परस्पर आदान-प्रदान का इतिहास है। हिंदी ने दूसरी भारतीय भाषाओं से असंख्य शब्द, मुहावरे, साहित्यिक संस्कार और विचार ग्रहण किए हैं। दूसरी और हिंदी के माध्यम से भी अनेक भारतीय भाषाओं का साहित्य व्यापक पाठक वर्ग तक पहुंचा है। इसलिए हिंदी को संपर्क और सेतु की भाषा के रूप में विकसित किया जा सका है।

श्री शाह का यह दृष्टिकोण महत्वपूर्ण है कि हिंदी की समृद्धि भारतीय भाषाओं की समृद्धि से जुड़ी है। भारतीय भाषाओं की विविधता का सम्मान बनाए रखना ही भारत की भाषायी वास्तविकता के अनुरूप है। श्री अमित शाह जा यह विचार आज विशेष रूप से

बुजुर्गों-दित्यांगों को चाहिए सुदृढ़ नीति

पर भी विवाह, रोजगार और अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों के कारण उनके लिए निरंतर देखभाल करना कठिन हो जाता है। दित्यांग व्यक्ति को माता-पिता के बाद कुछ परिस्थितियों में पारिवारिक पेंशन का अधिकार होता है, लेकिन पेंशन अकेली देखभाल की गारंटी नहीं है। उनके लिए दीर्घकालीन आवास, स्वास्थ्य सेवा, प्रशिक्षित व पेशेवर देखभालकर्ता और सामाजिक सुरक्षा की समग्र व्यवस्था जरूरी है। इस चुनौती का समाधान एक मजबूत देखभाल परिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में है जिसमें परिवार, प्रशिक्षित देखभालकर्ता, अस्पताल, स्वास्थ्य सेवाएं, स्थानीय संस्थाएं, स्वयंसेवी संगठन और सरकार मिलकर काम करें। प्रत्येक जिले में आवश्यकता के अनुसार व्यावसायिक केयर सेंटर तथा प्रशिक्षित होम केयर सेवाओं का नेटवर्क विकसित किया जा सकता है, ताकि जरूरतमंद व्यक्ति को अपने घर पर ही देखभाल उपलब्ध हो सके। इसके साथ ही देखभाल को भारत में मान्यता प्राप्त व्यवसाय बनाया जाना चाहिए। इसके लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, परीक्षा और प्रमाणपत्र की व्यवस्था हो। प्रशिक्षित व्यक्ति को बुजुर्गों की दैनिक देखभाल, प्राथमिक चिकित्सा, स्वच्छता, पोषण, मानसिक स्वास्थ्य, दित्यांगों की सहायता तथा गंभीर रोगियों की आवश्यक देखभाल का प्रशिक्षण दिया जाए। इससे देखभाल की गुणवत्ता बढ़ेगी और रोजगार के

नए अवसर भी पैदा होंगे। इस क्षेत्र में महिलाओं के लिए विशेष सभावनाएं हैं। भारतीय घरों में महिलाएं लंबे समय से देखभाल की जिम्मेदारी निभाती आई हैं। यदि उनके अनुभव को औपचारिक प्रशिक्षण और प्रमाणपत्र से जोड़ा जाए तो देखभाल का काम उनके लिए सम्मानजनक और नियमित रोजगार का माध्यम बन सकता है। भारत में परिवार का स्वरूप, जनसंख्या की आयु संरचना और जीवन की प्राथमिकताएं बदल रही हैं। इसलिए देखभाल की पुरानी व्यवस्था को नए समय के अनुरूप बदलना होगा। बुजुर्गों, बीमारों और दित्यांगों की देखभाल को केवल परिवार की निजी जिम्मेदारी मानना अब पर्याप्त नहीं है। समय की मांग है कि भारत देखभाल को एक संगठित सामाजिक व्यवस्था और सम्मानजनक व्यवसाय का स्वरूप दे। इसके लिए भारत को चीन, जापान, आस्ट्रेलिया, स्वीडन और डेनमार्क देशों के माडल का अध्ययन करना चाहिए। केन्द्र तथा राज्यों को मिलकर देखभाल क्षेत्र को औपचारिक स्वरूप प्रदान करने के लिए जल्द राष्ट्रीय नीति निर्धारण करनी चाहिए। एक मजबूत देखभाल परिस्थितिकी तंत्र हमारे बुजुर्गों और निर्भर नागरिकों को सुरक्षा और सम्मान देगा, परिवारों का बोझ कम करेगा, महिलाओं व युवाओं को रोजगार देगा।

न्यूज़ इन थॉर्ट

सोशल मीडिया की डॉनगिरी पर पुलिस का एक्शन, चापड़ लहराने वाले समेत 2 गिरफ्तार

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा में सोशल मीडिया पर दहशत और कथित डॉनगिरी दिखाने वाली रील बनाने के आरोप में कोतवाली पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है। दोनों के खिलाफ अलग-अलग मामलों में कार्रवाई की गई है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पुरानी बस्ती निवासी गौतम तंवर और फोटोटपारा निवासी हर्ष वैष्णव उर्फ गबबर के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, गौतम तंवर पर लोगों से शराब पीने के लिए पैसे मांगने और खुद को कोरबा का गुंडा-डॉन बताकर सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट करने का आरोप है। वहीं, हर्ष वैष्णव पर धारदार चापड़ लहराकर लोगों को डराने-धमकाने का आरोप है। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान हर्ष के कब्जे से चापड़ बरामद किया है। घट्या* ऋद्धुडस - स्कूल विवाद पर बड़ा एक्शन, प्रभारी प्राचार्य पद से हटाई गई ज्योदा जाने भौगोलिक संदर्भ एक्जिव्यूटिव ब्रांच सरकारी एजेंसियां खुद को बताता था कोरबा का डॉन पहला मामला पुरानी बस्ती क्षेत्र का बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, 22 वर्षीय गौतम तंवर सोशल मीडिया पर अपनी कथित डॉनगिरी दिखाने वाले वीडियो बनाकर पोस्ट करता था। वह खुद को कोरबा का गुंडा और डॉन बताता था तथा लोगों से शराब पीने के लिए पैसे मांगने का आरोप भी उस पर है। बताया गया कि गौतम खुद को 'भाई जी' कहलवाता था। उसके व्यवहार और सोशल मीडिया गतिविधियों को लेकर शिकायत मिलने के बाद कोतवाली पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, कार्रवाई के बाद गौतम को बस स्टैंड क्षेत्र में पैदल परेड भी कराई गई। पुलिस का दावा है कि गौतम पुराना बदमाश है और उसके खिलाफ पहले से कई मामले दर्ज हैं। पुलिस उसके पुराने आपराधिक रिकॉर्ड की जानकारी भी खंगाल रही है। यहां रहने वाले हर्ष वैष्णव उर्फ गबबर के हाथ में धारदार चापड़ होने और उसे लहराकर लोगों को डराने-धमकाने की सूचना पुलिस को मिली थी। सूचना मिलने के बाद कोतवाली पुलिस ने मौके पर बराबंदी की। पुलिस के अनुसार, कार्रवाई के दौरान हर्ष वैष्णव को धारदार चापड़ के साथ पकड़ लिया गया। उसके कब्जे से हथियार बरामद करने का दावा पुलिस ने किया है। कोतवाली थाना प्रभारी प्रेमचंद साहू ने बताया कि हर्ष वैष्णव उर्फ गबबर के चापड़ लहराकर लोगों को डराने की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने कार्रवाई की और उसे हथियार के साथ पकड़ा। पुलिस ने हर्ष के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया। इसके बाद उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। पुलिस उसके पुराने आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच कर रही है।

शिक्षक पर 5वीं की छात्रा से अमद्रता का आरोप, गलत तरीके से छूने की शिकायत दर्ज

सक्ती। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले के ग्राम मिरौनी स्थित शासकीय स्कूल में पदस्थ एक शिक्षक पर पांचवीं कक्षा की छात्रा से अमद्र व्यवहार करने का आरोप लगा है। छात्रा के परिजनों ने शिक्षक कैलाश पटेल के खिलाफ कलेक्टर और जिला शिक्षा अधिकारी से लिखित शिकायत की है। शिकायत में छात्रा ने आरोप लगाया है कि शिक्षक कॉपी चेक करने के दौरान उसे गलत तरीके से छूते हैं। मामले में शिक्षा विभाग ने जांच कराने की बात कही है। शिकायत सामने आने के बाद स्कूल में पढ़ाई के माहौल और शिक्षक के व्यवहार को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि शिक्षक स्कूल समय में बच्चों की पढ़ाई पर पर्याप्त ध्यान नहीं देते और अक्सर मोबाइल फोन में व्यस्त रहते हैं। तब शिक्षक कथित तौर पर उसे गलत तरीके से छूते हैं। छात्रा के मुताबिक, पढ़ाई से जुड़ी बात कहने पर शिक्षक उसे डांट भी देते हैं। छात्रा ने शिक्षक के महिला स्वीपर के साथ स्कूल परिसर में बाथरूम में जाने और वहां काफी समय तक रहने को लेकर भी शिकायत में आपत्ति जताई है। यह आरोप भी शिकायतकर्ताओं की ओर से लगाए गए हैं और इनकी पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। छात्रा के परिवार ने मामले को गंभीर बताते हुए अधिकारियों से पूरे प्रकरण की जांच कराने और यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। घट्या* ऋद्धुडस - सोशल मीडिया की डॉनगिरी पर पुलिस का एक्शन, चापड़ लहराने वाले समेत 2 गिरफ्तार पढ़ाई पर ध्यान नहीं देने का भी आरोप शिकायतकर्ताओं और ग्रामीणों का आरोप है कि शिक्षक कैलाश पटेल स्कूल में बच्चों की पढ़ाई पर पर्याप्त ध्यान नहीं देते। ग्रामीणों के अनुसार, स्कूल के समय में शिक्षक कई बार मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हुए दिखाई देते हैं। उनका कहना है कि इससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

फसल बीमा योजना से किसान तरुण चंदेल को मिला 28 हजार रुपए का आर्थिक संबल

जोखिम से सुरक्षा तक : आपदा बनी नहीं राह का रोड़ा

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा किसानों की आर्थिक समृद्धि और जोखिम प्रबंधन के लिए संचालित योजनाएं धरातल पर सार्थक परिणाम दे रही हैं। नारायणपुर जिले के ग्राम बिजली निवासी कृष्ण तरुण चंदेल की कहानी इस बात का जीवंत प्रमाण है कि कैसे प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना विपरीत परिस्थितियों में किसानों के लिए सुरक्षा कवच और आर्थिक संबल बनकर उभरी है।

‘4 एकड़ खेती और अनिश्चितता की चुनौती’

तरुण चंदेल अपने परिवार के पालन-पोषण के लिए पूर्णतः कृषि कार्य पर निर्भर हैं। उनके पास लगभग 4 एकड़ कृषि भूमि है, जिस पर वे प्रतिवर्ष पारंपरिक एवं आधुनिक तकनीक से खेती-किसानी करते हैं। खेती ही उनकी आजीविका का एकमात्र मुख्य जरिया होने के कारण फसल क्षति का सीधा असर उनके पारिवारिक बजट और दैनिक जीवन पर पड़ता था। मौसम की अनिश्चितता, कीट प्रकोप एवं प्राकृतिक

सेवा संकल्प अभियान में छात्राओं ने दिया अधिकार, कर्तव्य और जनभागीदारी का संदेश

सेवा संकल्प अभियान में छात्राओं ने दिया अधिकार, कर्तव्य और जनभागीदारी का संदेश

नुकड़ नाटक के माध्यम से संविधान के मूल्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति किया जागरूक

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

सेवा, जागरूकता और जनभागीदारी की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से संचालित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय, सूरजपुर में नुकड़ नाटक का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रम में छात्राओं ने प्रभावशाली अभिनय और सरल संवादों के माध्यम से संवैधानिक अधिकारों, मौलिक कर्तव्यों, सामाजिक



सहभागिता तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।

नुकड़ नाटक के माध्यम से छात्राओं ने बताया कि भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को समानता, स्वतंत्रता और न्याय का अधिकार प्रदान करता है। साथ ही संविधान नागरिकों को राष्ट्र और समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करने की प्रेरणा देता है। छात्राओं ने संविधान की प्रस्तावना में

निहित न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के मूल्यों को सहज एवं रोचक तरीके से प्रस्तुत करते हुए सामाजिक समरसता, आपसी सद्भाव, राष्ट्र की एकता एवं अखंडता और सभी नागरिकों के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया।

प्रस्तुति में छात्राओं ने मौलिक अधिकारों के साथ मौलिक कर्तव्यों की जानकारी देते हुए संविधान का सम्मान करने, सार्वजनिक

दैनिक बारिश 4.0 मि.मी. रिकॉर्ड की गई है

बलरामपुर में सर्वाधिक तो कांकेर में सबसे कम वर्षा

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा 19 सितंबर 2026 तक जारी आंकड़ों के अनुसार, चालू मानसून सीजन में 1 जून से अब तक प्रदेश में औसतन 96.4 प्रतिशत (996.5 मि.मी.) बारिश दर्ज की जा चुकी है, जबकि इस अवधि के लिए राज्य की औसत वर्षा 1033.6 मि.मी. निर्धारित है।? प्रदेशभर के जिलों में वर्षा का रुख मिश्रित रहा है। सरगुजा संभाग की बात करें तो बलरामपुर जिले ने रिकॉर्ड तोड़ बारिश दर्ज की है, जहां औसत वर्षा के मुकाबले 169.7त (1488.5 मि.मी.) पानी बरसा है। इसके साथ ही सूरजपुर में 111.5त (1138.1 मि.मी.) और मेन्द्लगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 122.6त (1139.9 मि.मी.) वर्षा हुई है। हालांकि, पड़ोसी जिले सरगुजा में केवल 77.3त (594.9 मि.मी.), जशपुर में 81.2त (805.1 मि.मी.) और कांकेर में 97.0त (892.8 मि.मी.) बारिश दर्ज की गई है।

?रायपुर संभाग में मानसून काफी मेहरबान नजर आ रहा है। राजधानी रायपुर जिले में औसत का 126.9त (1091.2 मि.मी.) पानी बरस चुका है। वहीं महासमुंद में 120.8त (1128.5 मि.मी.), गरियाबंद में 118.0त (1191.9 मि.मी.), बलौदाबाजार में 109.7त (1007.1 मि.मी.) और धमतरी में 105.1त (1061.0 मि.मी.) बारिश के साथ स्थिति काफी बेहतर बनी हुई है।

डॉ. मंजू ईलांग्बाम की मणिपुरी नृत्य प्रस्तुति में दिखा भाव

डॉ. मंजू ईलांग्बाम की मणिपुरी नृत्य प्रस्तुति में दिखा भाव, लय और नृत्य का मनोहरी संगम

रायपुर। ईलांग्बाम की मणिपुरी नृत्य प्रस्तुति में दिखा भाव, लय और नृत्य का मनोहरी संगम 41वें चक्रधर समारोह-2026 की पांचवीं सांस्कृतिक संध्या मणिपुरी शास्त्रीय नृत्य की मनोहरी प्रस्तुति से यादगार बन गई। प्रतिष्ठित मणिपुरी नृत्यांगना डॉ. मंजू

ईलांग्बाम ने अपनी भावपूर्ण और लयबद्ध प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी प्रस्तुति में मणिपुरी नृत्य की शास्त्रीय गरिमा, कोमलता और भाव-अभिनय का सुंदर समन्वय देखने को मिला। प्रस्तुति के दौरान उनकी सहज पदचाल, भाव-भंगिमाओं और लयकारी ने दर्शकों को विशेष रूप से आकर्षित किया। मणिपुरी नृत्य की पारंपरिक शैली को उन्होंने अपनी प्रभावशाली नृत्याभिव्यक्ति के माध्यम से जीवंत किया। प्रस्तुति के दौरान दर्शकों ने

तालियों की गड़गड़ाहट से कलाकार का उत्साहवर्धन किया। डॉ. मंजू ईलांग्बाम मणिपुरी शास्त्रीय नृत्यांगना, कोरियोग्राफर और शोधकर्ता हैं। उन्होंने विश्व-भारती विश्वविद्यालय, शांतिनिकेतन से मणिपुरी नृत्य में स्वनं पदक के साथ पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की है। उन्हें संगीत नाटक अकादमी उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार तथा मणिपुर राज्य कला अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

‘सेवा संकल्प अभियान- हर पात्र हितग्राही तक पहुंच रहा लाभ’

राज्य में 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर 2026 तक संचालित किए जा रहे ‘सेवा संकल्प अभियान’ के अंतर्गत शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। अभियान के माध्यम से किसानों को कृषि जोखिमों से बचाव और बीमा सुरक्षा से जोड़ने का सघन कार्य जारी है।

‘उम्मीदों को मिली नई उड़ान’

फसल क्षति के बाद मिली सहायता राशि से न केवल तरुण चंदेल का आर्थिक नुकसान कम हुआ, बल्कि उनका कृषि कार्य के प्रति आत्मविश्वास भी पुनर्गठित हुआ है। वे कहते हैं कि शासन की इस योजना ने उन्हें खेती जारी रखने का भरोसा दिया है। तरुण चंदेल ने इस आर्थिक संबल और त्वरित सहायता के लिए शासन-प्रशासन का हृदय से आभार व्यक्त किया है।

संपत्ति की रक्षा, पर्यावरण संरक्षण, वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने और समाज में भाईचारे की भावना को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि अधिकारों के प्रति जागरूकता के साथ कर्तव्यों का पालन ही जिम्मेदार नागरिकता की पहचान है।

जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर बढ़ाई जागरूकता

नुकड़ नाटक के दूसरे प्रमुख विषय के रूप में शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। छात्राओं ने अभिनय के माध्यम से बताया कि कई बार योजनाओं की जानकारी के अभाव में पात्र व्यक्ति लाभ से वंचित रह जाते हैं। ऐसे में जागरूक नागरिकों और युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने आसपास के जरूरतमंद और पात्र लोगों तक योजनाओं की सही जानकारी

पहुंचाने तथा उन्हें संबंधित विभाग एवं कार्यालय से संपर्क कर लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।प्रस्तुति में शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, सामाजिक सुरक्षा और आर्थिक स्वावलंबन से जुड़े शासकीय प्रयासों की उपयोगिता को भी रेखांकित किया गया। छात्राओं ने संदेश दिया कि शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में जनजागरूकता और जनभागीदारी महत्वपूर्ण कड़ी है। युवा वर्ग योजनाओं की सही जानकारी साझा कर धर्म एवं गलत सूचनाओं को दूर करने तथा जरूरतमंद लोगों को आवेदन प्रक्रिया और संबंधित विभाग तक पहुंचने में सहयोग कर सामाजिक बदलाव में सक्रिय भागीदारी निभा सकता है। कार्यक्रम के माध्यम से छात्राओं ने ‘जागरूक नागरिक-सशक्त समाज’ का संदेश देते हुए सेवा संकल्प अभियान को जनभागीदारी से जोड़ने का सार्थक प्रयास किया।

सौर ऊर्जा से रोशन हुआ किसान नेतराम का घर

पीएम सूर्य घर योजना से हर माह 2000 रुपए की बचत

खेती-किसानी को मिला नया बल

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

प्रदेश में 'सेवा संकल्प अभियान' के माध्यम से जन-कल्याणकारी योजनाओं का प्रभाव अब धरातल पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। योजनाओं के सफल क्रियान्वयन से न केवल आम नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार आया है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई मजबूती मिल रही है। ऐसा ही एक प्रेरक उदाहरण सारांगढ़-बिलाईगढ़ जिले के ग्राम गोबरसिंहा निवासी किसान नेतराम पटेल का है, जिनके जीवन में रश्मिधनमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजनाश् आर्थिक संबल बनकर उभरी है।

बिजली के भारी-भरकम बिल से मुक्ति

योजना का लाभ लेने से पहले नेतराम पटेल के घर का मासिक बिजली बिल करीब 2,200 से 2,300 रुपए तक आता था, जो उनके बजट पर एक बड़ा वित्तीय बोझ था। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत छत पर सौर पैनल (रूफटॉप सोलर सिस्टम) स्थापित होने के बाद अब उनका मासिक बिजली बिल घटकर मात्र 250 से 300 रुपए रह गया है।

बचत की राशि से कृषि कार्यों में मिला संबल

सोलर पैनल के माध्यम से बिजली की जरूरतें घर पर ही पूरी होने से नेतराम को हर महीने लगभग 2,000 रुपए की सीधी बचत हो रही है। इस बचत राशि का उपयोग वे अपनी खेती-किसानी से जुड़े दैनिक खर्चों को पूरा करने में कर रहे हैं।



इससे उन्हें खाद, बीज व अन्य कृषि आवश्यकताओं के लिए अतिरिक्त वित्तीय संबल मिल रहा है। उन्होंने कहा कि पहले हर महीने बिजली बिल के रूप में एक बड़ी राशि देनी पड़ती थी। अब वही पैसा बचकर खेती के काम आ रहा है। इस योजना ने मेरी आर्थिक स्थिति में सकारात्मक बदलाव लाया है।

शासन के प्रति जताया आभार

योजना से जीवन में आए इस सकारात्मक परिवर्तन के लिए नेतराम पटेल ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विश्णु देव साय के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया है। उन्होंने अन्य किसान भाइयों और ग्रामीणों से भी इस योजना से जुड़कर बिजली खर्च घटाने और अपनी बचत बढ़ाने की अपील की है।

धरातल पर असर दिखा रहा ‘सेवा संकल्प अभियान’

नेतराम पटेल की यह सफलता की कहानी यह साबित करती है कि जब शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं सीधे जरूरतमंदों तक पहुंचती हैं, तो उनका प्रभाव केवल मुफ्त या सस्ती बिजली तक सीमित नहीं रहता; बल्कि वह बचत, आरम्भितभरता और ग्रामीण परिवारों के आर्थिक सशक्तिकरण का स्थायी माध्यम बन जाता है।

नन्हे दिल को मिली नई धड़कन

चिरायु योजना% ने धमती के भाव्यांश को दिया नया जीवन

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

समय पर ली गई एक सही स्वास्थ्य जांच किसी मासूम का पूरा भविष्य संवार सकती है, इसका जीवंत उदाहरण धमतीरे के नन्हे भाव्यांश साहू की यह सफलता की कहानी है। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के अंतर्गत संचालित %चिरायु योजना% ने जन्मजात हृदयरोग से जूझ रहे इस बच्चे को न केवल समय पर सही इलाज दिलाया, बल्कि उसके परिवार के जीवन में खुशियों की एक नई रोशनी भी बिखेर दी।

?कहानी की शुरुआत फरवरी 2026 में हुई, जब शहरी चिरायु टीम धमतीरी ने जालमपुर स्थित आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक-01 में बच्चों के स्वास्थ्य का नियमित परीक्षण किया। जांच के दौरान डॉक्टरों ने धमतीरी नजरो ने भाव्यांश में जन्मजात हृदयरोग के लक्षणों को तुरंत पहचान लिया। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए टीम ने बिना कोई समय गंवाए बच्चे को आगे के उच्च स्तरीय उपचार के लिए श्री सत्य साई अस्पताल, नया रायपुर रेफर किया और पूरे मार्गदर्शन

तथा सहयोग के साथ परिजनों की हिम्मत बढ़ाई।

?अस्पताल में विशेषज्ञों की गहन जांच और परामर्श के बाद सर्जरी का निर्णय लिया गया। 31 अगस्त 2026 को भाव्यांश को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां 2 सितंबर को विशेषज्ञ कार्डियक सर्जनों की टीम द्वारा उसकी सफल हृदय सर्जरी संपन्न हुई। चिकित्सकों की निरंतर देखरेख और सही देखभाल का ही परिणाम था कि मासूम के स्वास्थ्य में तेजी से सुधार आया और 9 सितंबर को उसे पूर्णतः स्वस्थ अवस्था में डिस्चार्ज कर दिया गया।

?राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम का मुख्य ध्येय जन्म से 18 वर्ष तक के बच्चों में जन्मजात विकृतियों, गंभीर बीमारियों और पोषण संबंधी कमियों की समय रहते पहचान कर उन्हें निःशुल्क और सर्वश्रेष्ठ उपचार उपलब्ध कराना है। चिरायु टीम की तत्परता और विशेषज्ञ चिकित्सकों के इस समन्वय से आज भाव्यांश पूरी तरह स्वस्थ होकर अपने सामान्य जीवन में लौट आया है। उसकी खिलखिलाती मुस्कान इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि सरकार की यह संवेदनशील योजना प्रदेश के जरूरतमंद बच्चों के लिए नवजीवन का वरदान साबित हो रही है।





बेटियों के उज्ज्वल
भविष्य के लिए...

रानी दुर्गावती योजना

18 वर्ष की आयु पूरी होने पर
बिटिया के खाते में आएंगे
₹1,50,000



योजना के लिए वर्ष
2026-27 के बजट में
₹15 करोड़
का प्रावधान

सशक्त बेटियों
से समृद्ध
छत्तीसगढ़



49063/1

हमसे जुड़ने के लिए
QR स्कैन करें

छत्तीसगढ़
जगसंपर्क

[/ChhattisgarhCMO](#)
[/DPRChhattisgarh](#)
www.dprcg.gov.in

सुशासन से समृद्धि की ओर

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री